website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक **रॉयल पत्रिका**

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

वर्ष :13 | अंक : 218 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 17 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

कांवड़ मार्ग में क्यूआर कोड पर गरम हुआ सुप्रीम कोर्ट

योगी सरकार को नोटिस, पूछा- ऐसा करना क्यों है जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी और उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानों और रेस्तरां संचालकों को आदेश दिया गया है कि वे क्यूआर कोड लगाएं और नाम भी लिखें। यह मामला मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो

अदालत ने उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत ने पूछा कि आखिर इसकी जरूरत क्या है। अब इस केस की अगली सुनवाई 22 जुलाई तय की गई है। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश ने सुनवाई की।

हैरान कर रही हैं छांगुर बाबा गैंग की 'करतूतें'

धर्म बदलवाने के लिए महिलाओं संग रेप, वीडियो वायरल करने की धमकी

बलरामपुर (एजेंसी)। जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में हैं। जांच में सामने आया है कि गिरोह में शामिल लोग धर्मांतरण के लिए राजी नहीं होने वाली महिलाओं का दुष्कर्म कर वीडियो बनाते थे। वीडियो वायरल करने का दबाव डालकर उन्हें

धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करते थे। इस मामले में छांगुर बाबा और नीतू उर्फ नसरीन सहित कई लोगों से पूछताछ की जा रही है। एटीएस को जांच में धर्मांतरण के नेटवर्क और पीड़ितों के बारे में कई अहम जानकारियां मिली हैं। पता चला है कि छांगुर बाबा ने महिलाओं के जबरन धर्मांतरण का गंदा काम गिरोह की महिलाओं को ही सौंप रखा था।

जम्मू में खाई में गिरी मिनी बस, पांच लोगों की मौत

17 गंभीर रूप से घायल, कुल 22 लोग थे सवार

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में एक मिनी बस के खाई में गिर गड़ी। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि 17 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे की जगह से चार शव बरामद किए गए थे, जबकि गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जिले के चीफ

मेडिकल ऑफिसर ने बताया कि मौतों का आंकड़ा और बढ़ सकता है। कई घायलों की हालत गंभीर है। हादसा मंगलवार को डोडा-बराथ रोड पर पोंडा इलाके हुआ। मिनी बस के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिरने की खबर है। बस में 21 लोग सवार थे। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। जम्मू के पुंछ जिले के घानी मेंढर इलाके में 6 मई को एक पैसेंजर बस खाई में गिरने से दो की मौत हो गई थी।

राहुल गांधी का लखनऊ कोर्ट में सरेंडर, 5 मिनट बाद जमानत

● सेना पर टिप्पणी का मामला

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार दोपहर को लखनऊ कोर्ट में सरेंडर किया। इसके 5 मिनट बाद कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी। एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा ने 20-20 हजार के दो बॉन्ड पर राहुल को जमानत दी। राहुल के वकील ने जमानत याचिका डाली थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया। राहुल कोर्ट के अंदर करीब 30 मिनट तक रहे। राहुल दिल्ली से लखनऊ एयरपोर्ट आने के बाद सीधे एमपी-एमएलए कोर्ट पहुंचे थे। भारतीय सेना पर की गई टिप्पणी को लेकर कोर्ट ने उन्हें पेश होने का आदेश दिया था। पिछली 5 सुनवाई के

दौरान राहुल हाजिर नहीं हुए। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें समन जारी किया था। जमानत मिलने के बाद राहुल कोर्ट से सीधे अमौसी एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए। राहुल के वकील प्रांशु अग्रवाल ने कोर्ट से राहुल की पेशी पर छूट की मांग की थी। मगर कोर्ट ने राहुल को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया था। कोर्ट गेट पर गाड़ियों का काफिला पहुंचते ही पुलिस ने राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी और आराधना मिश्रा की कार रुकवा दी। पुलिस से नोकझोंक के बाद दोनों लोग पैदल चलकर अंदर गए।

यमन से अच्छी खबर

टल गई निमिषा की फांसी

● हूती विद्रोहियों से भारत सरकार की बन गई है बात

सना (एजेंसी)। यमन की जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की फांसी की सजा टल गई है। प्रिया को 16 जुलाई को फांसी दी जानी थी, लेकिन फिलहाल सजा पर अमल को टाल दिया गया है। भारत सरकार के सूत्रों ने बताया है कि स्थानीय अधिकारियों ने यह फैसला लिया है। निमिषा प्रिया यमन के हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले सना की जेल में मौत की सजा का सामना कर रही हैं। भारत सरकार इस मामले में निमिषा प्रिया के परिवार को हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। इसने हाल के दिनों में प्रिया के परिवार को दूसरे पक्ष के साथ आपसी सहमति से समाधान निकालने के लिए और समय देने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। सूत्रों ने बताया कि इसमें शामिल संवेदनशीलता के बावजूद भारतीय अधिकारी स्थानीय जेल अधिकारियों

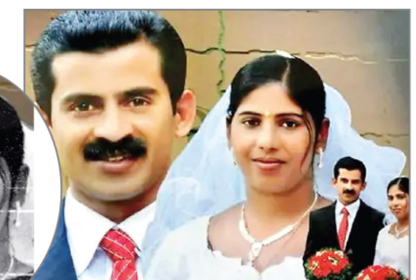

और अभियोजक कार्यालय के साथ नियमित संपर्क में रहे हैं, जिसके कारण फांसी की सजा को फिलहाल के लिए रोकना संभव हो पाया है। सजा स्थगित होने के बाद प्रिया के परिवार के लिए पीड़ित परिवार के साथ आपसी समझौते के लिए समय मिल सकेगा। इस बीच निमिषा प्रिया को बचाने के लिए कोशिशें तेज हो गई हैं। मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के प्रभावशाली सुन्नी मुस्लिम धर्मगुरु निमिषा को फांसी से बचाने के लिए पीड़ित परिवार को ब्लड मनी के लिए मनाने का प्रयास कर रहे हैं। यमन के शरिया कानून के मुताबिक, ब्लड मनी के लिए सहमति बनने पर निमिषा प्रिया को सजा से माफी मिल सकती है। फिलहाल, पीड़ित परिवार ने अभी तक इस तरह का कोई संकेत नहीं दिया है। केरल की रहने वाली निमिषा प्रिया पर साल 2017 अपने यमनी बिजनेस पार्टनर तलाल अब्दो महदी की हत्या करने का आरोप है। प्रिया को हत्या के बाद देश छोड़ने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

शुभ क्षण!

'गगन' जीतकर लौटे शुभांशु शुक्ला

● 18 दिन बाद लौटे, सकुशल धरती पर रखा अपना कदम ● शुभांशु मुस्कुराए, नजर आई तिरंगे की शान

कैलीफोर्निया के तट पर हुई स्पेसक्राफ्ट की सफल लैंडिंग

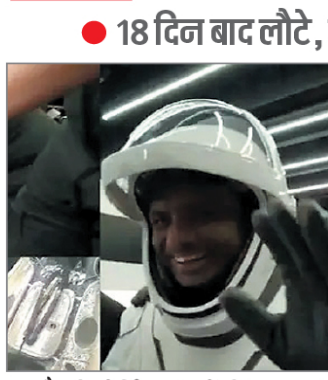

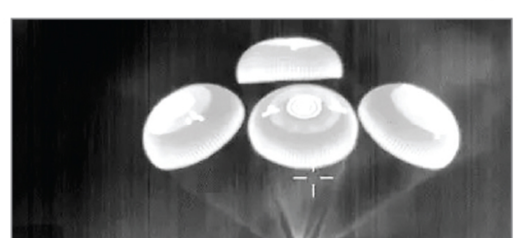

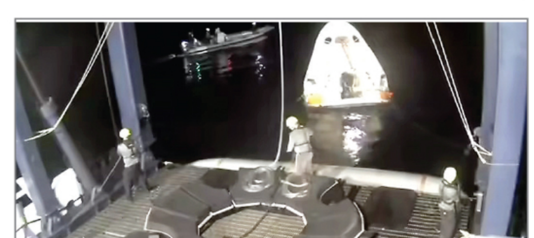

कैलीफोर्निया (एजेंसी)। शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट 18 दिन अंतरिक्ष में रहने के बाद पृथ्वी पर लौट आए हैं। करीब 23 घंटे के सफर के बाद ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट की दोपहर 3 बजे कैलीफोर्निया के समुद्र में लैंडिंग हुई। चारों एस्ट्रोनॉट एक दिन पहले शाम 4.45 बजे आईएसएस से पृथ्वी के लिए रवाना हुए थे। सभी एस्ट्रोनॉट 26 जून को भारतीय समय के अनुसार शाम 4.01 बजे आईएसएस पहुंचे थे। एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे ये रवाना हुए थे। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में इन्होंने कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी। आखिरकार वो ऐतिहासिक क्षण पूरी दुनिया ने देखा जब ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर सवार एक्सिओम-4 क्रू मेंबर्स के साथ 18 दिनों धरती पर पहुंचे। ये अंतरिक्षयात्री प्रशांत महासागर में उतरे। एक्सिओम-4 मिशन में शुभांशु शुक्ला के साथ कमांडर पैगी व्हिट्सन, मिशन एक्सपर्ट पोलैंड के स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगरी के टिबोर कापू भी शामिल थे। ये ड्रैगन 'ग्रेस' अंतरिक्ष यान से भारतीय समयानुसार सोमवार शाम 4.45 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से धरती की ओर रवाना हुए थे।

मात्र 2.5 घंटे में पहुंचेंगे दिल्ली से पटना!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बुलेट ट्रेन का काम तेजी से चल रहा है। अहमदाबाद-मुंबई के बीच बन रही बुलेट ट्रेन परियोजना में एक नया अपडेट आया है। रेलवे अधिकारियों ने बताया है कि इस प्रोजेक्ट में जापानी शिंकानसेन ट्रेनों के ई 5 मॉडल का इस्तेमाल होगा। ये ई 5 मॉडल गुजरात सेक्शन में 2026-27 में ट्रायल रन के लिए उपयोग किए जाएंगे। इसके बाद भारत ई 10 मॉडल खरीदेगा। ये और भी आधुनिक ट्रेनें होंगी। ई10 शिंकानसेन ट्रेनें भारत और जापान में एक साथ 2030 में शुरू होने की संभावना है। मतलब, जिस साल ये ट्रेन जापान में शुरू होगी, उसी साल भारत में भी दौड़ेगी। यानी दिल्ली से पटना की 1,000 किमी दूरी मात्र 2.5 घंटे में पूरी की जा सकती है।

उत्तराखंड में 150 मीटर गहरी खाई में गिरी टैक्सी

● पिथौरागढ़ में 8 लोगों की मौत, 13 लोग सवार थे, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

पिथौरागढ़ (एजेंसी)। उत्तराखंड में मंगलवार शाम पिथौरागढ़ जिले में एक मैक्स जीप बेकाबू होकर 150 मीटर गहरी नदी में गिर गई। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक स्कूली बच्ची समेत 4 महिलाएं हैं। जबकि 5 घायल हुए हैं। हादसा सोनी पुल के पास हुआ। जीप मुवानी से बकटा जा रही थी। जिसमें 13 लोग सवार थे। सूचना पाकर प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। एनडीआरएफ, पुलिस और अन्य रेस्क्यू टीमों ने घायलों को नदी से बाहर निकाला और उन्हें अस्पताल भिजवाया। मृतक बोकटा क्षेत्र के निवासी हैं। घायलों में तीन की हालत गंभीर है। सभी का मुवानी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया, जीप शाम करीब 4 बजे यात्रियों को लेकर मुवानी से बकटा जा रही थी। जीप बकटा से थोड़ी ही दूर पर थी। तभी ड्राइवर संतुलन खो बैठा और जीप खाई में पलटते हुए नदी में जा गिरी। गाड़ी के परखच्चे

उड़ गए। नदी में घायलों और मृतकों का ढेर लग गया। फौरन पुलिस को सूचना दी। पुलिस एम्बुलेंस और राहत बचाव दल को लेकर मौके पर पहुंची। रेस्क्यू टीम ने मौके से 8 लाशें निकाली हैं। जबकि 5 लोग घायल हैं।

मणिपुर में 86 हथियार और 974 गोला-बारूद हुए जब्त

● सेना-पुलिस का 5 जिलों में सर्च ऑपरेशन, एक हफ्ते में 10 उग्रवादी भी पकड़े गए

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सेना और पुलिस ने मंगवार सुबह जॉइंट ऑपरेशन में 86 हथियार और 974 गोला-बारूद जब्त किए। ये ऑपरेशन इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, थौबल, काकचिंग और विष्णुपुर में चलाया गया। सुरक्षाबलों की राज्य में पिछले एक हफ्ते से सर्चिंग जारी है। इससे पहले 7 जुलाई से 14 जुलाई तक चलाए गए ऑपरेशन में 10 उग्रवादियों को पकड़ा गया था। ये सर्चिंग पांच जिलों में की गई थी। इस दौरान सेना ने 35 हथियार, 11 इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस, ग्रेनेड और गोला-बारूद भी बरामद किया। राज्य में हथियारों की बरामदगी का यह एक

महीने में दूसरा बड़ा मामला है। इससे पहले 15 जून को 328 हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए थे। इनमें सेल्फ लोडिंग राइफल्स और इंसास जैसी राइफलें शामिल थीं।

राजस्थान-एमपी में जल 'जला' लेकर आई बारिश

● राजस्थान में बाढ़ के हालात, 16 लोगों की गई जान ● उफन रही नर्मदा, खतरे के निशान से ऊपर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में भारी बारिश के चलते बाढ़ के हालात हैं। प्रदेश में बरसात के कारण हुए अलग-अलग हादसों में 24 घंटे में 16 लोगों की मौत हो गई। सोमवार को कोटा में प्रदेश में सबसे ज्यादा 198 एमएम बारिश हुई। यहां कोटा बैराज के 12 गेट खोले गए हैं। मध्य प्रदेश में मानसून जमकर बरस रहा है। नर्मदा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जबलपुर, रीवा समेत 10 जिलों में एक सप्ताह से लगातार बारिश जारी है। इन जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। सोमवार को श्योपुर के कई इलाके और गांव पानी से घिरे रहे। मकान-दुकानों से लेकर

यूपी में उद्घाटन से पहले ही 4 पुलों की सड़कें बहीं

अस्पताल तक में पानी भर गया। यूपी के लखनऊ, कानपुर, बरेली समेत 15 शहरों में तेज बारिश के कारण जलभराव-बाढ़ के हालात हैं। प्रदेश के कई बांध ओवरफ्लो होने लगे हैं। सोमवार को ललितपुर के गोविंद सागर बांध के 17 गेट खोले गए। चित्रकूट में उद्घाटन से पहले 51 करोड़ से बने 4 पुलों की एप्रोच सड़कें बह गईं। हिमाचल प्रदेश में बीते 24 दिन में 105 लोगों की मौत बारिश से जुड़ी घटनाओं में हो चुकी हैं। राज्य की 200 से ज्यादा सड़कें अभी भी बंद हैं। मनाली-चंडीगढ़ हाईवे पिछले 3 दिन से रोजाना लैंडस्लाइड के चलते बंद हो रहा है। राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में आज तेज बारिश हो रही है। निचले इलाकों कई फीट तक पानी भरा हुआ है। जोधपुर में साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस रद्द की गई। भीलवाड़ा के बिजोलिया में सबसे ज्यादा 183.0 एमएम बारिश दर्ज की गई। चित्तौड़गढ़ के भैंसरोड़गढ़, नागौर के मकराना में 136 एमएम, टोंक के निवाई में 127 एमएम, कोटा के मंडाना में 117.0 एमएम और जयपुर के सांभर में 102 एमएम बारिश दर्ज की गई। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर पश्चिम रेलवे के पाली मारवाड़-बोमाडा रेलवे खंड पर पटरियों पर जलभराव के कारण ट्रेन रद्द करनी पड़ी हैं।

पंजाब विधानसभा में नहीं पास हो पाया बेअदबी वाला विधेयक

भारी विवाद और टकराव के बाद सिलेक्ट कमेटी को भेजा गया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र में मंगलवार को धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी को लेकर पेश किए गए बिल पर बहस हुई। 14 जुलाई को मुख्यमंत्री भगवंत मान ने यह विधेयक पेश किया था। बहस के बाद भी विधेयक पास नहीं किया गया, बल्कि मुख्यमंत्री मान के प्रस्ताव पर इसे सिलेक्ट कमेटी को भेज दिया गया। सिलेक्ट कमेटी इस बिल पर काम करते हुए सभी धार्मिक संस्थाओं और लोगों से राय लेगी। इसके लिए 6 महीने का समय तय किया गया है। इसके बाद इस बिल को दोबारा विधानसभा में पेश किया जाएगा। स्पीकर कुलतार सिंह संधवां इस कमेटी का गठन करेंगे। इससे पहले बेअदबी बिल पर चर्चा के दौरान गरमागरम बहस हुई।

ट्रंप की धमकी, रूस से तेल खरीदा तो खैर नहीं

मास्को पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की चेतावनी

मास्को (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन में हमले कर रहे रूस के बीच चल रही जुबानी जंग में अब भारत और चीन जैसे देश भी फंस सकते हैं। ट्रंप ने कहा है कि रूस अगर 50 दिनों में यूक्रेन युद्ध को खत्म करने पर सहमत नहीं होता है तो अमेरिका मास्को के खिलाफ 100 फीसदी टैरिफ लगा सकता है। यही नहीं ट्रंप ने यह भी धमकी दी है कि अगर रूस 50 दिन में तैयार नहीं होता है तो उससे तेल खरीदने वाले देशों पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा। ट्रंप की इस धमकी का इशारा सीधे भारत और चीन की ओर है जो रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीद रहे हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस भारत को अब

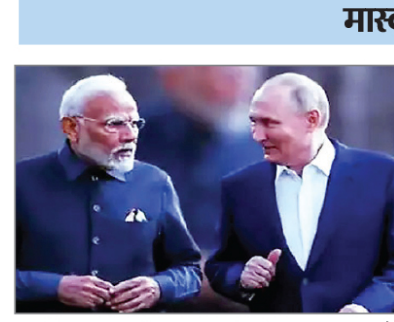

सबसे ज्यादा तेल का निर्यात कर रहा है। अमेरिका लगातार कई साल से भारत को धमका रहा है लेकिन दिल्ली ने वॉशिंगटन के आगे घुटने नहीं टेके हैं। ट्रंप ने नाटो के सेक्रेटरी मार्क रुट्टे से मुलाकात की है जहां पर उन्होंने नाटो के जरिए यूक्रेन को बड़े पैमाने पर हथियार भेजने का ऐलान किया है। ट्रंप ने कहा, हम रूस से बेहद नाखुश हैं। अगर रूस ने 50 दिन में डील नहीं किया तो उसके खिलाफ भारी टैरिफ लगाया जाएगा। यह टैरिफ 100 फीसदी होगा। इस दौरान ट्रंप और रुट्टे ने एक नई स्कीम का ऐलान किया जिसके तहत अमेरिकी हथियार यूक्रेन को नाटो के जरिए मिलते रहेंगे। वहीं अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वाइट हाउस के अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि ट्रंप रूस पर 100 फीसदी टैरिफ लगाएंगे, वहीं जो देश रूस से ऊर्जा खरीदते हैं, उनके खिलाफ सेकेंडरी प्रतिबंध लगाएंगे। हाल के दिनों में ट्रंप कई बार पुतिन पर अपना गुस्सा निकाल चुके हैं जो यूक्रेन में जंग को रोकने के लिए तैयार नहीं हैं। ट्रंप ने कहा कि पुतिन ने उन्हें निराश किया है। ट्रंप रूस और अन्य देशों पर प्रतिबंध की धमकी दे चुके हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना में डॉ. आंबेडकर का ऐतिहासिक योगदान

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देश की केंद्रीय बैंक है, जिसका गठन भारतीय अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने और मौद्रिक नीति को नियंत्रित करने के लिए किया गया। इसकी स्थापना 1 अप्रैल 1935 को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक्ट 1934 के तहत हुई। इसका मुख्यालय पहले कोलकाता में था, जिसे बाद में 1937 में मुंबई स्थानांतरित कर दिया गया। रिजर्व बैंक के गठन का उद्देश्य देश में मुद्रा का नियंत्रण, बैंकिंग प्रणाली को मजबूत करना, क्रेडिट व्यवस्था पर नियंत्रण रखना और विदेशी मुद्रा भंडार का प्रबंधन करना था। रिजर्व बैंक की स्थापना के पीछे लंबे समय से चली आ रही आर्थिक चिंताओं और समस्याओं की पृष्ठभूमि थी। 1920 के दशक में देश में बार-बार आर्थिक मंदी, महंगाई और नोटों की आपूर्ति में असंतुलन जैसी समस्याएँ खड़ी हो रही थीं। इसको ध्यान में रखते हुए हिल्टन यंग कमीशन (रॉयल कमीशन ऑन इंडियन करेंसी एंड फाइनेंस) का गठन किया गया। इस कमीशन ने 1926 में अपनी रिपोर्ट में भारत में एक केंद्रीय बैंक स्थापित करने की सिफारिश की थी, ताकि भारतीय मुद्रा और क्रेडिट प्रणाली को नियंत्रित किया जा सके। भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना में डॉ. भीमराव आंबेडकर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। डॉ. आंबेडकर एक महान समाज सुधारक और विधिवेत्ता होने के साथ एक कुशल अर्थशास्त्री भी थे। उन्होंने अपनी किताब "द प्रॉब्लम ऑफ द रुपी: इट्स ओरिजिन एंड इट्स सॉल्यूशन" में भारतीय मुद्रा की समस्याओं और उसके समाधान पर गहराई से प्रकाश डाला था। यह पुस्तक 1923 में प्रकाशित हुई थी और इसमें भारतीय मुद्रा व्यवस्था की समस्याओं, महंगाई, रुपए के अवमूल्यन और मुद्रा स्थिरता पर विस्तृत शोध प्रस्तुत किया गया था। डॉ. आंबेडकर ने रुपये की स्थिरता के लिए स्वर्ण-मुद्रा मानक के स्थान पर 'गोल्ड एक्सचेंज स्टैंडर्ड' की सिफारिश की थी, जिससे भारतीय मुद्रा में स्थिरता लाई जा सके। उनके विचारों और सुझावों को हिल्टन यंग कमीशन ने गंभीरता से लिया और रिजर्व बैंक के गठन के दौरान उनके सिद्धांतों को आधार बनाया गया। उनके द्वारा दिए गए सुझावों में मुद्रा आपूर्ति पर नियंत्रण, बैंकिंग प्रणाली की निगरानी, विदेशी मुद्रा भंडार का प्रबंधन और मौद्रिक नीति के लिए एक सशक्त संस्था की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण पहलू शामिल थे। डॉ. आंबेडकर ने भारतीय आर्थिक ढांचे को सुधारने के लिए एक सशक्त और स्वतंत्र केंद्रीय बैंक की आवश्यकता पर ज़ोर दिया था। उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक को स्वतंत्र रूप से कार्य करने वाली संस्था बनाने की वकालत की ताकि यह सरकार के दबाव में बिना कार्य कर सके और देश की आर्थिक नीतियों में संतुलन बनाए रख सके। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि रिजर्व बैंक को ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधा के विस्तार और किसानों को सस्ती दरों पर ऋण उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूती मिल सके। रिजर्व बैंक की स्थापना के बाद इसने देश में मौद्रिक और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। इसने मुद्रा की आपूर्ति, बैंकों पर निगरानी, वित्तीय संस्थाओं का नियमन और सरकार की ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने जैसे कार्य किए।

कश्मीर में आतंकी हमले के बीच उठते सवाल: कब खत्म होगा खून-खराबा?

-रोज़गार, शिक्षा और आत्मनिर्भरता की जरूरत

कश्मीर घाटी में एक बार फिर आतंकी हमलों का सिलसिला तेज हो गया है। पिछले कुछ महीनों में कश्मीर में सेना, पुलिस और आम नागरिकों पर हमलों ने न केवल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि सरकार की रणनीति और नीति की वास्तविकता को भी उजागर किया है। अमरनाथ यात्रा से लेकर स्थानीय लोगों और मजदूरों पर हमले, पर्यटकों पर फायरिंग, पुलिस चेक पोस्ट पर हमले और सेना के काफिले को निशाना बनाना – यह सब कुछ ऐसा संदेश दे रहे हैं कि घाटी में हालात अभी भी काबू में नहीं हैं। एक ओर दावा किया जा रहा है कि आतंकवाद का खात्मा अंतिम चरण में है, दूसरी ओर हमले बता रहे हैं कि अभी भी कश्मीर में आतंक की जड़ें गहरी हैं। इन हालात में देश के आम नागरिक, नीति निर्माता और सुरक्षाबल यह सोचने पर मजबूर हैं कि आखिर कब तक कश्मीर में खून की नदियां बहती रहेंगी, कब तक निर्दोष लोगों की जानें जाती रहेंगी और कब तक आतंकी भारत की संप्रभुता को चुनौती देते रहेंगे।

हालिया हमलों की पृष्ठभूमि

पिछले दिनों जम्मू कश्मीर के रियासी, पुलवामा, कुलगाम, बारामुला और अनंतनाग जिलों में हुए आतंकी हमलों में कई जवान और आम नागरिक शहीद हुए। अमरनाथ यात्रा के दौरान यात्रियों की बस पर हमले ने पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। इसके अलावा सीमा के पास और गांवों में छिपकर किए गए हमले, IED ब्लास्ट, और घात लगाकर किए गए फायरिंग हमले दिखाते हैं कि आतंकियों ने नई रणनीति अपनाई है। इन हमलों की एक खास बात यह है कि आतंकवादी अब भीड़भाड़ वाले इलाकों, सार्वजनिक वाहनों और धार्मिक यात्राओं को निशाना बना रहे हैं, जिससे उनकी मंशा साफ होती है कि वह घाटी में डर का माहौल बनाना चाहते हैं। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, पाकिस्तान की ओर से आतंकियों की घुसपैठ की कोशिशें लगातार जारी हैं। LOC और IB के रास्ते आतंकियों की घुसपैठ, ड्रोन के जरिए हथियार और ड्रग्स की सप्लाई और स्थानीय युवाओं की भर्ती अब भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

हमलों के पीछे की रणनीति

घाटी में अस्थिरता बनाए रखना: आतंकी हमलों के जरिए पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन घाटी में डर और अस्थिरता का माहौल बनाए रखना चाहते हैं। इसका सीधा असर कश्मीर के टूरिज्म, रोजगार और सामान्य जीवन पर पड़ता है। धार्मिक यात्राओं को निशाना बनाना: अमरनाथ यात्रा और अन्य धार्मिक यात्राओं पर हमला कर आतंकी न केवल देश के धार्मिक भावनाओं को आहत करना चाहते हैं बल्कि सरकार पर दबाव भी बनाना चाहते हैं। स्थानीय युवाओं में डर और असंतोष: स्थानीय युवाओं में डर और भ्रम फैलाकर उन्हें अपने जाल में फंसाना आतंकियों की पुरानी रणनीति है, जिससे वह उन्हें भर्ती कर सकें। चुनाव और राजनीतिक प्रक्रिया को प्रभावित करना: कश्मीर में पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव की चर्चा के बीच आतंकी हमले माहौल बिगाड़ने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने का प्रयास हैं।

सरकार की नीति और सुरक्षा प्रबंधन पर सवाल

जब भी कोई आतंकी हमला होता है, मीडिया में बयानबाजी, जांच बैठाना और बयान आता है कि 'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।' लेकिन यह सवाल खड़ा होता है कि हमलों को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए? बार-बार एक ही रणनीति और भाषा का प्रयोग होता है, लेकिन जमीन पर आतंकी गतिविधियां जारी रहती हैं। इंटेलिजेंस फेल्योर की आशंका: कई हमलों में देखने को मिला है कि स्थानीय स्तर पर इनपुट होने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं हो पाई। लोकल सपोर्ट सिस्टम का खत्म न होना: पिछले वर्षों में ऑपरेशन ऑल आउट और कड़े एक्शन के बावजूद आतंकी नेटवर्क और लोकल ओवरग्राउंड वर्कर अभी भी सक्रिय हैं। घुसपैठ पर पूरी तरह रोक नहीं: LOC पर बाड़ लगाने और कड़ी निगरानी के बाद भी घुसपैठ की घटनाएं बताती हैं कि सीमा पर निगरानी में और सुधार की जरूरत है। राजनीतिक संवाद का अभाव: कश्मीर में आतंकवाद से लड़ाई केवल सुरक्षा के माध्यम से नहीं जीती जा सकती, इसके लिए स्थानीय युवाओं को मुख्यधारा में लाना और विश्वास बहाली आवश्यक है। लेकिन पिछले वर्षों में संवाद की प्रक्रिया ठप रही है, जिसका लाभ आतंकी संगठनों को मिल रहा है।

स्थानीय नागरिकों की स्थिति और मनोविज्ञान

कश्मीर का आम नागरिक शांति चाहता है। जो लोग रोज़गार, खेती-बाड़ी, व्यापार या मजदूरी कर अपने बच्चों का पेट पाल रहे हैं, उनके लिए हर दिन डर के साए में जीना एक बड़ी त्रासदी है। आतंकी हमले उनके मन में डर पैदा करते हैं, वहीं सुरक्षा बलों के सख्त ऑपरेशन में भी आम लोगों का नुकसान होता है, जिससे उनके मन में असंतोष पैदा होता है। इसके अलावा इंटरनेट बंदी, कर्फ्यू और तलाशी अभियान उनके रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित करते हैं। ऐसे में आतंकवाद और सुरक्षा व्यवस्था के बीच पिसता आम कश्मीरी युवा यह सोचने पर मजबूर है कि आखिर उसका भविष्य क्या होगा?

मीडिया की भूमिका और जिम्मेदारी

कश्मीर में जब भी आतंकी हमला होता है, मीडिया तुरंत 'ब्रेकिंग न्यूज' चला देता है। पर क्या मीडिया की जिम्मेदारी केवल खबर दिखाने तक है? आतंकवाद की खबरों को सनसनीखेज बनाकर दिखाने के बजाय, मीडिया को यह दिखाना चाहिए कि आतंकवाद से आम कश्मीरी का कितना नुकसान हो रहा है, कश्मीर के बच्चे शिक्षा और विकास से दूर हो रहे हैं, और शांति बहाली के लिए कौन से प्रयास जरूरी हैं। कई बार ऐसे हमलों की कवरेज में शब्दों का चयन और प्रस्तुतिकरण ऐसा होता है जिससे आतंकियों को प्रचार मिल जाता है। मीडिया को अपनी रिपोर्टिंग में जिम्मेदारी दिखानी चाहिए, ताकि आतंकियों के नापाक मंसूबे सफल न हों।

अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान पर दबाव होने के बावजूद, पाकिस्तान की सरजमीं से आतंकवाद को समर्थन अब भी जारी है। भारत ने कई बार संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह मुद्दा उठाया है, लेकिन पाकिस्तान ने आतंकी संगठनों को समर्थन देना नहीं छोड़ा। आतंकवाद को वैश्विक समस्या बताया जाता है, लेकिन कश्मीर में जब आतंकी हमले होते हैं, तो दुनिया की बड़ी ताकतें खामोश रहती हैं या औपचारिक बयान जारी कर चुप हो जाती हैं। यह सवाल भी उठता है कि आखिर आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में कश्मीर में मरने वालों की जान की कोई कीमत क्यों नहीं है?

आगे की राह: समाधान की दिशा में कदम

1सुरक्षा व्यवस्था का पुनर्मूल्यांकन
आधुनिक टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर सीमाओं की निगरानी और घुसपैठ को रोकना।
इंटेलिजेंस नेटवर्क को स्थानीय स्तर पर मजबूत करना।
ओवरग्राउंड सपोर्ट सिस्टम को खत्म करने के लिए प्रभावी कार्रवाई।

2 राजनीतिक संवाद और विश्वास बहाली
कश्मीर के युवाओं में यह विश्वास पैदा करना कि उनका भविष्य हिंसा में नहीं, बल्कि शिक्षा और विकास में है।
राजनैतिक नेतृत्व और केंद्र सरकार को मिलकर स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ संवाद बढ़ाना होगा।

3 शिक्षा और रोज़गार के अवसर
युवाओं को रोज़गार के अवसर देकर आतंक के जाल से बाहर निकालना।
स्किल डेवलपमेंट सेंटर, स्थानीय उद्योग और उद्यमिता को बढ़ावा देकर आर्थिक आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना।

4 कट्टरपंथ पर रोक
सोशल मीडिया और इंटरनेट पर कट्टरपंथी विचारधाराओं के प्रसार को रोकने के लिए मॉनिटरिंग।
धार्मिक नेताओं और समुदाय के प्रभावशाली लोगों को साथ लेकर कट्टरपंथ को चुनौती देना।

5 मीडिया और समाज की भूमिका
मीडिया को जिम्मेदारी से रिपोर्टिंग करनी होगी।
समाज के प्रभावी वर्ग, शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता कश्मीर में शांति के लिए संवाद और जागरूकता का माहौल बनाएं।

कश्मीर में आतंकी हमले एक बार फिर याद दिलाते हैं कि यह समस्या केवल सुरक्षा से संबंधित नहीं, बल्कि यह एक सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक चुनौती भी है। घाटी में अस्थिरता का मतलब केवल कश्मीर का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे देश की शांति और सुरक्षा पर असर है। कश्मीर का युवा अगर किताब छोड़कर बंदूक उठाता है, तो यह पूरे देश के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। आतंकवाद को समाप्त करने के लिए हमें सख्त सुरक्षा व्यवस्था, आधुनिक तकनीक, राजनीतिक संवाद, शिक्षा, रोज़गार और समाज की सक्रिय भूमिका को एक साथ लाना होगा। हमें यह समझना होगा कि अगर कश्मीर को आतंक मुक्त बनाना है, तो हमें कश्मीर के लोगों का दिल भी जीतना होगा।

आखिरी सवाल यह है:

क्या हम केवल हमलों के बाद बयानबाजी और सोशल मीडिया पर हैशटैग तक सीमित रहेंगे या फिर एक स्थायी, ठोस और बहुआयामी नीति के साथ आगे बढ़कर आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ेंगे।

शिबाम : यमन का प्राचीन शहर, जो रेगिस्तान का मैनहटन कहलाता

-रेगिस्तान में बसी मिट्टी की ऊँची इमारतों वाली अनोखी नगरी

यमन का शिबाम (Shibam) शहर आज भी अपने अंदर इतिहास की वो इमारतें और कहानियाँ समेटे खड़ा है, जो इंसानी हिम्मत और बुद्धिमत्ता की मिसाल हैं। मिट्टी से बनी ऊँची इमारतों की कतारें और तंग गलियों से गुजरती हवाएँ यह बताती हैं कि रेगिस्तान की कठिनाइयों के बीच भी इंसान ने अपने जीने का तरीका निकाल लिया था। यही वजह है कि शिबाम को 'रेगिस्तान का मैनहटन' कहा जाता है।

मिट्टी की ऊँची अट्टालिकाएँ

शिबाम में 500 साल पुरानी 500 से ज्यादा मिट्टी की बनी बहुमंजिला इमारतें हैं। इन इमारतों की ऊँचाई 5 से लेकर 11 मंजिल तक है। यह इमारतें मिट्टी, गारे और खजूर की लकड़ियों से बनाई गई हैं, और ये आज भी 16वीं सदी की स्थापत्य कला का उदाहरण पेश करती हैं। इन इमारतों को देखकर ऐसा लगता है मानो रेगिस्तान के सीने पर एक ऊँची दीवार खड़ी कर दी गई हो, जो दूर से ही नजर आने लगती है।

क्यों कहा जाता है 'रेगिस्तान का मैनहटन'?

जैसे अमेरिका के न्यूयॉर्क में गगनचुंबी इमारतों की कतारें दूर से दिखाई देती हैं, वैसे ही शिबाम की ऊँची मिट्टी की इमारतें भी रेगिस्तान की रेत में दूर से नजर आती हैं। इसलिए पश्चिमी पर्यटक और वास्तुकला विशेषज्ञ इसे रेगिस्तान का मैनहटन कहने लगे। शिबाम को दुनिया का पहला ऊँची इमारतों वाला शहर माना जाता है, जहाँ पहले से ही सघन शहरी नियोजन दिखता है। यहाँ इमारतें इतनी करीबी में बनी हैं कि धूप भी सिर्फ पतली गलियों से छनकर ही नीचे पहुँचती है।

शिबाम का ऐतिहासिक महत्व

शिबाम की स्थापना तीसरी सदी में हुई थी, लेकिन इसका सुनहरा दौर 16वीं सदी में शुरू हुआ। यह शहर हदीरामौत क्षेत्र में व्यापार और कारवां का केंद्र था। यहाँ से व्यापारियों के काफिले मसालों, अगरबत्तियों, और अरब घोड़ों को लेकर निकलते थे। यमन के इतिहास में शिबाम की पहचान एक सांस्कृतिक और व्यापारिक केंद्र के रूप में रही है। यहाँ के लोग आज भी पारंपरिक पहनावे, रहन-सहन और सामाजिक व्यवस्थाओं को संजोए हुए हैं।

विश्व धरोहर में शामिल

यूनिस्को ने 1982 में शिबाम को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया। यूनिस्को के अनुसार शिबाम का स्थापत्य और मिट्टी से बनी गगनचुंबी इमारतें इंसानी इतिहास की अनूठी विरासत हैं। यह शहर यह भी दिखाता है कि कैसे इंसान ने रेगिस्तान में रहने के लिए एक मजबूत और संगठित नगरी का निर्माण किया। यहाँ की वास्तुकला में प्राकृतिक वेंटिलेशन और सूरज की रोशनी से बचाव की अद्भुत तकनीकें देखने को मिलती हैं।

चुनौतियों का शहर

शिबाम की खूबसूरती जितनी आकर्षक है, इसकी चुनौतियाँ भी उतनी ही गंभीर हैं।

यह शहर बाढ़, रेतीली आँधियों, समय और युद्ध के प्रभाव से जूझ रहा है। 2008 में आई बाढ़ ने कई इमारतों को नुकसान पहुँचाया। इसके अलावा, यमन में जारी गृहयुद्ध और अस्थिरता के कारण यहाँ रख-रखाव में मुश्किलें बढ़ गई हैं। कई इमारतें जर्जर हो रही हैं और अगर जल्दी संरक्षण नहीं किया गया तो यह अद्भुत विरासत खतरे में पड़ सकती है। शिबाम में मकान खजूर की लकड़ी, मिट्टी और गारे से बने होते हैं। इन इमारतों के ऊपरी तल पर परिवार रहते हैं जबकि निचली मंजिलों में जानवरों को रखा जाता है।

घरों में खिड़कियाँ छोटी होती हैं ताकि गर्मी कम घुसे और धूल भी अंदर ना आए।

इमारतों की छतों पर खजूर सुखाने और अन्य घरेलू कार्य किए जाते हैं।

आज भी लोग पुराने पारंपरिक जीवन जीते हैं, महिलाएँ पारंपरिक वस्त्र पहनती हैं और पुरुष सिर पर कफिया पहनकर धूप से बचाव करते हैं।

पर्यटन की संभावना और जिम्मेदारी

शिबाम की खूबसूरती और वास्तुकला विश्वभर के पर्यटकों को आकर्षित करती है। यहाँ का सांस्कृतिक वातावरण, पुरानी मस्जिदें, संकरी गलियाँ और ऊँची इमारतें पर्यटकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं।

हालाँकि, यमन में लंबे समय से जारी अस्थिरता के कारण यहाँ पर्यटन प्रभावित रहा है। अगर यमन में शांति स्थापित होती है तो शिबाम विश्व के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल हो सकता है।

पर्यटन बढ़ने से यहाँ के लोगों को रोज़गार के अवसर भी मिल सकते हैं और विरासत को संरक्षित करने के लिए फंड भी जुटाया जा सकता है। शिबाम की इमारतें मिट्टी और लकड़ी की बनी होने के कारण लगातार देखरेख और मरम्मत की मांग करती हैं। यूनिस्को और कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठन यहाँ संरक्षण कार्य में लगे हुए हैं, लेकिन यमन में चल रही जंग और आर्थिक संकट के कारण पर्याप्त संरक्षण नहीं हो पा रहा।

अगर दुनिया ने इस ऐतिहासिक विरासत को बचाने में सहयोग नहीं किया तो रेगिस्तान का यह मैनहटन इतिहास के पन्नों में खो सकता है।

सीखने योग्य बातें

शिबाम हमें सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी इंसान ने अपने लिए सुरक्षित और व्यवस्थित शहर बसाने का हुनर विकसित कर लिया था। मिट्टी की इमारतों से बनी यह नगरी आज भी पर्यावरण के अनुकूल वास्तुकला का एक उदाहरण है। आधुनिक समय में जहाँ सीमेंट और कंक्रीट के जंगल खड़े हो रहे हैं, शिबाम दिखाता है कि मिट्टी और लकड़ी से भी ऊँची और मजबूत इमारतें बनाई जा सकती हैं, बशर्ते उनके रख-रखाव पर ध्यान दिया जाए। रेगिस्तान के सीने पर खड़ा शिबाम यमन की विरासत, हिम्मत और बुद्धिमत्ता की पहचान है। यह शहर न केवल वास्तुकला की दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि एक सभ्यता के जीवित इतिहास का प्रतीक भी है। दुनिया की जिम्मेदारी है कि शिबाम जैसी ऐतिहासिक धरोहरों की रक्षा की जाए ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी इसे देख सकें और इंसानी हिम्मत की इस मिसाल से प्रेरणा ले सकें। शिबाम आज हमें यह याद दिलाता है कि शहर केवल कंक्रीट और लोहे से नहीं बनते, बल्कि उनकी बुनियाद इंसानी संघर्ष, हिम्मत और सोच पर टिकी होती है।

मौलाना हसरत मोहानी: जंग-ए-आज़ादी का बेबाक सिपाही और इंक़लाब का शायर

मौलाना हसरत मोहानी का जन्म लखनऊ के उन्नाव जिले में हुआ था। 1 जनवरी 1875 को जन्मे हसरत मोहानी का असली नाम सैयद फजल-उल-हसन था। शुरुआती शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में दाखिला लिया। कॉलेज के दिनों में ही हसरत मोहानी कई आंदोलनों का हिस्सा बने जिसकी वजह से उन्हें जेल जाना पड़ा। लेकिन वो कभी भी जेल जाने से डरे नहीं, देश की आजादी की लड़ाई में वो अपना योगदान देते रहे, अंग्रेजी हुकूमत ने कई बार उन्हें जेल भेजा लेकिन उनके कदम डिगे नहीं। आजादी का सबसे लोकप्रिय नारा 'इंकलाब जिंदाबाद' हसरत मोहानी की ही देन है। यही नहीं अंग्रेजी हुकूमत से भारत के लिए पूर्ण स्वराज की मांग करने वाले वो सबसे पहले व्यक्ति थे।

मौलाना हसरत मोहानी संविधान बनाने वाली कमेटी के भी सदस्य थे मौलाना हसरत मोहानी ने अपनी शायरी और साहित्य से लोगों में आज़ादी की अलख जगाई। उन्होंने विभिन्न आंदोलनों में अपना सक्रिय हिस्सा लिया और ब्रिटिश शासन के खिलाफ बखूबी लड़ाई लड़ी। हसरत मोहानी ने स्वदेशी आंदोलन में भी बढ़चढ़कर हिस्सा लिया, उन्होंने स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए एक खद्दर भंडार खोला जिससे आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिले। हसरत मोहानी 1946 में गठित संविधान सभा के भी सदस्य थे। मज़हब के आधार पर मुल्क के बंटवारे का विरोध करने वाले मोहानी ने पाकिस्तान जाने की पेशकश ठुकरा दी और 13 मई 1951 को लखनऊ में आख़िरी सांस ली। जब भी हिन्दस्तान की आज़ादी की तहरीक का ज़िक्र होता है, तो कई नाम हमारे ज़ेहन में आते हैं, लेकिन कुछ ऐसे नाम भी हैं जिन्होंने आज़ादी की लड़ाई को कलम और जज़्बात से एक नई जान दी। मौलाना हसरत मोहानी उन्हीं में से एक हैं। वह सिर्फ एक आज़ादी के मतवाले नहीं, बल्कि इश्क़ और इंक़लाब के शायर भी थे। उनकी शायरी में जहां इश्क़ का नर्म एहसास है, वहीं उसमें गुलामी के खिलाफ बग़ावत की आग भी है।

जन्म और तालीम

मौलाना हसरत मोहानी का असली नाम सैयद फ़ज़ल उल हसन था। उनका जन्म 1 जनवरी 1875 को मोहान, उन्नाव (उत्तर प्रदेश) में हुआ। शुरुआती तालीम अपने गांव में लेने के बाद, उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से तालीम हासिल की। पढ़ाई के दौरान ही उनकी शायरी में रुचि बढ़ गई और उन्होंने "हसरत" तख़ल्लुस रखना शुरू कर दिया।

शायर और पत्रकार

हसरत मोहानी की पहचान एक बेहतरीन शायर के तौर पर भी है। उन्होंने इश्क़िया ग़ज़लों में अपने दर्द और हुस्न की ताजगी को कुछ यूं पेश किया कि वह आज भी हर महफ़िल में पढ़ी और सुनी जाती हैं। उनकी मशहूर ग़ज़ल का मतला है:

"चुपके चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है,
हमको अब तक आशिक़ी का वो ज़माना याद है।"

उन्होंने 1903 में 'उर्दू-ए-मुअल्ला' नाम से एक रिसाला निकाला, जो बाद में ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ आवाज़ उठाने का मजबूत ज़रिया बन गया। इस रिसाले में वह ब्रिटिश हुकूमत की नीतियों और उनके अत्याचारों की सख्त आलोचना करते थे, जिसकी वजह से उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा।

आज़ादी की तहरीक में भूमिका

मौलाना हसरत मोहानी हिन्दस्तान की आज़ादी के उन पहले नेताओं में से थे जिन्होंने 'पूरी आज़ादी' (Complete Independence) की मांग की थी। साल 1921 में अहमदाबाद कांग्रेस अधिवेशन में उन्होंने पहली बार "Complete Independence" का प्रस्ताव रखा। वह महात्मा गांधी की नीतियों का समर्थन करते थे, लेकिन जहाँ उन्हें लगता था कि सख्ती ज़रूरी है, वहां वह अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ सीधी तकरार करने से नहीं झिझकते थे। हसरत मोहानी का मानना था कि हिन्दस्तान को आज़ादी बिना किसी शर्त के मिलनी चाहिए। उन्होंने अपनी तकरीरों और लेखों के ज़रिए नौजवानों में आज़ादी का जज़्बा भरा। जेल में रहते हुए भी उन्होंने अपनी शायरी और कलम से इंक़लाब की मशाल जलाए रखी।

जेल की सज़ा और कुर्बानियाँ

हसरत मोहानी को अंग्रेज़ी हुकूमत ने उनकी क्रांतिकारी लेखनी और आज़ादी की मांग को लेकर कई बार जेल में डाला। उन्हें 1908 में जेल में डाला गया जहाँ उन्होंने क़ुरआन का तर्जुमा भी किया। उन्होंने जेल की तकलीफ़ों को भी अपनी शायरी में ढाल दिया। जेल से रिहा होने के बाद भी वह बेख़ौफ होकर अपने मिशन पर लगे रहे।

हिन्द-मुस्लिम एकता के हामी

हसरत मोहानी मज़हबी तौर पर पक्के मुसलमान थे, लेकिन उन्होंने हिन्द-मुस्लिम एकता को हमेशा अपनी प्राथमिकता में रखा। उनके कई करीबी साथी हिन्द थे, और वह मज़हबी तंगनज़री के खिलाफ थे। वह हर जगह कहते थे कि हिन्दस्तान सबका है और इसकी आज़ादी में सबकी हिस्सेदारी है।

उनका इश्क़ और इंक़लाब

हसरत मोहानी की शायरी में इश्क़ का नर्म पहलू दिखाई देता है, लेकिन साथ ही उसमें बग़ावत का सुर भी सुनाई देता है। उन्होंने इश्क़ को गुलामी से आज़ादी के लिए एक ताक़त माना। उनकी शायरी में हर आशिक़ को अपने माशूक़ से मिलने की तड़प तो मिलती ही है, साथ ही एक बग़ावत का जज़्बा भी महसूस होता है।

सादा जीवन और उच्च विचार

हसरत मोहानी का जीवन बेहद सादा था। वह हमेशा कुर्ता, धोती और टोपी पहनते थे और खुद कपड़े धोते और इस्त्री करते थे। उनके घर में फालतू दिखावे की कोई चीज नहीं थी। वह हमेशा बेबाकी और ईमानदारी से अपनी बात रखते थे, चाहे सामने कोई भी क्यों न हो।

क़ौमी सोच और समाजवाद

मौलाना हसरत मोहानी समाजवाद के बड़े हामी थे। उनका मानना था कि हिन्दस्तान में जब तक आर्थिक बराबरी नहीं होगी, तब तक सही मायनों में आज़ादी नहीं आ सकती। उन्होंने किसानों और मजदूरों की हालत सुधारने की हमेशा वकालत की।

उनका आख़िरी दौर

आज़ादी के बाद वह पाकिस्तान जाने के खिलाफ थे और उन्होंने हिन्दस्तान में ही रहने का फैसला किया। 13 मई 1951 को लखनऊ में उनका इंतक़ाल हुआ। वह अपनी ज़िन्दगी में न तो कोई बड़ा ओहदा चाहते थे और न ही उन्होंने आज़ादी के बाद सत्ता में कोई पद स्वीकार किया। उनकी मशहूर पंक्तियाँ आज भी हमारे दिलों में जोश भर देती हैं:

"सरफ़रोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है,
देखना है ज़ोर कितना बाज़ू-ए-क़ातिल में है।"

अधिकारों के साथ साथ कर्तव्यों के प्रति भी रहें सजग: शासन सचिव, पशुपालन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पशुपालन, गोपालन एवं मत्स्य विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना का नया रजिस्ट्रेशन एक सितंबर से शुरू करने के लिए पूरी तैयारी रखें। डॉ. शर्मा ने मंगलवार को पशुधन भवन के सभागार में आयोजित बैठक में कहा कि पिछले बजट की घोषणाओं को पूरा करने में जिस तैयारी और तत्परता से काम हुआ है, वही तैयारी वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं को पूरा करने में दिखानी होगी, तभी हम समय पर अपने लक्ष्य को पूरा कर सकेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की प्रगति को प्राथमिकता देते हुए विभाग की समस्त योजनाओं को सफल बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों और आगामी माह में किए जाने वाले कार्यों की तैयारियों के विषय में अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत वर्ष 2024-25 के लक्ष्य को आगामी 31 अगस्त तक पूरा करने के निर्देश देते हुए एक सितंबर से नए पंजीकरण शुरू करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कम प्रगति वाले जिलों के प्रभारियों को इस दिशा में अधिक प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, सेक्स सॉर्टेड सीमन, एमवीयू कॉल सेंटर तथा चैटबॉट, उष्ट्र संरक्षण योजना, पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम, निःशुल्क आरोग्य योजना नवीन पशु चिकित्सा केंद्रों के लिए भूमि की उपलब्धता, केपीआई आधारित प्रगति आदि विषयों पर प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. शर्मा ने विधानसभा के प्रश्नों के उत्तर आश्वासन आदि के निस्तारण के लिए विभाग के अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि निदेशालय के अधिकारी कार्य की गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि नवीन पशु चिकित्सा उप केंद्रों के लिए जमीन की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती है और इसके लिए हम सभी को बहुत प्रतिबद्ध होकर काम करना होगा। डॉ. शर्मा ने इसके लिए जिलेवार सूची बनाकर प्रथमिकता तय करते हुए काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने सेक्स सॉर्टेड सीमन लैब की स्थापना के लिए भी प्रयास तेज करने पर बल दिया। डॉ. शर्मा ने कहा कि जिलों में उपकरणों का उचित रखरखाव और उपयोग तथा दवाइयों के संधारण की व्यवस्था सही नहीं है, इसके लिए निदेशालय स्तर से निगरानी और प्रबोधन बहुत आवश्यक है। उन्होंने इसके लिए एक अधिकारी की नियुक्ति के साथ साथ जिला प्रभारियों को महीने में एक बार अपने जिले में दौरा का निरीक्षण करने का निर्देश दिया।

प्रदेश में जीएटीसी लागू होने से उपभोक्ता हितों की होगी सुरक्षा, नापतोल की प्रक्रिया बनेगी पारदर्शी

-खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता विभाग की समीक्षा बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामलात मंत्री सुमित गोदारा ने मंगलवार को मंत्रालय भवन में विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि आमजन के कल्याण से जुड़ी सभी विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। अधिकारी अधिक से अधिक फील्ड विजिट कर योजनाओं को धरातल पर उतारें। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार आमजन को विभागीय योजनाओं से जोड़कर समुचित लाभ पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जीएटीसी लागू होने से उपभोक्ता को मिलेगा न्याय —

गोदारा ने कहा कि जीएटीसी (गवर्नमेंट अप्रूव्ड टेस्टिंग सेंटर) के लागू होने से प्रदेश में नापतौल की प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी। गलत तौल जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलने से उपभोक्ताओं को न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में वृहत स्तर पर रोजगार भी सृजित होगा। जीएटीसी के माध्यम प्रशिक्षित और योग्य कर्मियों को शामिल करने से विभाग की दक्षता बढ़ेगी। गोदारा ने विधिक एवं मापतौल अधिकारियों को सघन मॉनिटरिंग करने एवं अन्य राज्यों में जीएटीसी लागू होने के बाद आए सकारात्मक बदलाव के अध्ययन हेतु कमेटी के गठन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी अधिक से अधिक फील्ड विजिट करें एवं दैनिक रिपोर्ट भेजना सुनिश्चित करें।

गिव अप अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी एवं कार्मिक होंगे सम्मानित —

गोदारा ने कहा कि बारां, जयपुर, हनुमानगढ़, बीकानेर एवं गंगानगर जिलों में अधिकारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के बदौलत गिव अप अभियान में सराहनीय कार्य हुआ है। वही डीग, सलूंबर, जैसलमेर, फलोदी एवं धौलपुर जिलों में अभियान की प्रगति अपेक्षाकृत कम है। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिलों में नियुक्त अधिकारियों एवं कार्मिकों को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर सम्मानित किया जाएगा। वही धीमी गति से काम करने पर अधिकारियों एवं कार्मिकों का उत्तरदायित्व तय किया जाएगा। गिव अप अभियान गरीबों को हक दिलाने एवं सामाजिक न्याय को साकार करने हेतु संचालित अभियान है। इसमें किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गोदारा ने कहा कि पात्रता के समुचित आंकलन के उपरांत नए लाभार्थी एनएफएसए से जोड़े जाएं ताकि हकदारों को खाद्य सुरक्षा का लाभ मिल सके। साथ ही उन्होंने लाभार्थियों की ई केवाईसी एवं आधार सीडिंग की प्रक्रिया को गति देने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि अपात्र गिव अप अभियान की अवधि में स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा छोड़ें।

जन्म-मृत्यु पंजीयन पर जिला स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका) । जिला परिषद सभागार में मंगलवार को सिविल रजिस्ट्रेशन प्रणाली के अंतर्गत जन्म-मृत्यु पंजीयन पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यालय संयुक्त निदेशक, आर्थिक एवं सांख्यिकी के तत्वाधान में आयोजित कार्यशाला मे जिले की समस्त पंचायत समिति के ब्लॉक नोडल अधिकारी (जन्म-मृत्यु), ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय एवं नगर पालिका एवं नगर परिषद मे जीवनांक से संबंधित कार्य कर रहे कार्मिक एवं अधिकारियों ने भाग लिया। सरकार ने जन्म- मृत्यु पंजीयन से संबंधित सेवाओं को राजस्थान लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2011 के तहत दी जाने वाली सेवा में शामिल किया है। ऐसे में इसकी मुख्य सचिव द्वारा नियमित समीक्षा की जाती है। इस दौरान जिला रजिस्ट्रार एवं संयुक्त निदेशक, बाबू लाल मीना एवं सहायक निदेशक डॉ. सुदीप कुमावत, जयपुर कलेक्ट्रेट ने सभी रजिस्ट्रारों को सरकार द्वारा निर्धारित समय अवधि मे आमजन को प्रमाण पत्र जारी करने हेतु पाबंद किए जाने के निर्देश प्रदान किए जिससे आमजन को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीकरण में आने वाली सभी समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला और समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया। जन्म मृत्यु अधिनियम 1969 में बदलाव कर 1 अक्टूबर 2023 से नया नियम बनाया है। जिसके तहत सात दिवस में रजिस्ट्रार व उप रजिस्ट्रार द्वारा जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र जारी नहीं करने पर 250 रुपए का जुर्माना व संस्था द्वारा जन्म व मृत्यु की जानकारी नहीं देने पर एक हजार का रुपए का जुर्माने का प्रावधान किया गया है। यदि कोई रजिस्ट्रार निर्धारित अवधि मे प्रमाण पत्र जारी नहीं करता है, तो आमजन जिला रजिस्ट्रार व मुख्य रजिस्ट्रार को अपील कर सकता है ।

17 जुलाई को आयोजित होगा सहकार एवं रोजगार उत्सव, केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह होंगे मुख्य अतिथि

जयपुर, (रॉयल पत्रिका) । केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 17 जुलाई को जयपुर जिले के दादिया ग्राम में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे सहकार एवं रोजगार उत्सव में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने मंगलवार को कार्यक्रम स्थल का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने प्रशासन, पुलिस एवं विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ, सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल एवं जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी सहित अन्य अधिकारी इस दौरान मौजूद रहे। सहकारिता मंत्री दक ने आयोजन की व्यवस्थाओं से जुड़े विभिन्न विभागों को आपसी समन्वय से काम करते हुए सभी व्यवस्थाएं बेहतर रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर आगन्तुकों के पहुंचने, बैठने और पेयजल की समुचित व्यवस्थाएं की जाए। साथ ही, आगन्तुकों के लिए चाय-बिस्किट एवं छाछ का बंदोबस्त किया जाए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पार्किंग की बेहतर सुविधा सुनिश्चित करने के साथ ही चिकित्सा सुविधा के अनुकूल बंदोबस्त करने के निर्देश दिए। दक ने कहा कि आगन्तुकों की सुविधा के लिए कार्यक्रम स्थल पर हैल्प डेस्क और कंट्रोल रूम की स्थापना की जाए। साथ ही, नेहरू सहकार भवन में स्थापित किये गए कंट्रोल रूम भी चौबीस घंटे कार्य करते हुए निरन्तर सूचनाओं का आदान-प्रदान करे। दक ने कार्यक्रम स्थल पर प्रत्येक ब्लॉक में पानी के कैम्पर रखे जाने के निर्देश दिए। साथ ही, आगन्तुकों की सुविधा के लिए जगह-जगह पथ प्रदर्शक पट्ट लगाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस एवं प्रशासन से समन्वय कर विशिष्टजनों के प्रवेश पास आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा पार्किंग में भी एलईडी स्क्रीन्स लगवाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने बारिश के मौसम के दृष्टिगत भी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था एवं पार्किंग आदि की व्यवस्था से अवगत कराया।

विश्व युवा कौशल दिवस, 2025 पर युवाओं को मिला प्रेरणा और अवसर का नया संबल

-आज का समय स्किल, स्टार्ट्स अप और स्पोर्ट्स का अमृतकाल है

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर प्रदेश के युवाओं को प्रेरणादायक संबोधन देते हुए कहा कि आज का समय स्किल, स्टार्ट्स अप और स्पोर्ट्स का अमृतकाल है। युवाओं का कौशल ही भारत की सबसे बड़ी ताकत बनेगा। उन्होंने बताया कि राज्य की कामकाजी आबादी अब कुल जनसंख्या का 63% हो चुकी है, जो आने वाले वर्षों में प्रदेश को देश का सबसे युवा और दक्ष राज्य बना सकती है। उन्होंने कहा, "अगर इस जनशक्ति को सही दिशा और कौशल मिले तो यही भारत को नेतृत्व प्रदान करने वाली शक्ति बनेगी। हम कौशल को केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं बल्कि नौकरी देने की क्षमता का आधार मानते हैं।" कर्नल राठौड़ ने जानकारी दी कि राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष लगभग 3 लाख युवाओं को 663 कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया है और 683 करोड़ रूपये से अधिक का कौशल भत्ता वितरित किया गया है। उन्होंने कोलकाता के पिंटू पोहन की कहानी साझा की, जिन्होंने पान की दुकान चलाते हुए 12 उपन्यास और 200 से अधिक कहानियाँ लिखी। यह इस बात का प्रतीक है कि संकल्प, मेहनत और कौशल से हर परिस्थिति बदली जा सकती है। कर्नल राठौड़ ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का उल्लेख करते हुए कहा कि 41 वर्षों बाद किसी भारतीय ने अंतरिक्ष में जाकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर तिरंगा लहराया है, जो भारत सरकार की दूरदर्शिता और युवाओं में विश्वास का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वक्तव्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, "भारत के पास दो सबसे बड़ी ताकतें हैं — डेमोक्रेसी और डेमोग्राफी। आज दुनिया मानती है कि भारत के पास वह युवा शक्ति है जो वैश्विक नेतृत्व दे सकती है।" इस अवसर पर मंच पर राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा , आरएसएलडीसी के प्रबंध निदेशक ऋषभ मंडल तथा महाप्रबंधक सुनीता यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में एसोचेम , फिक्की जैसे प्रमुख औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि, कौशल क्षेत्र से जुड़े उद्योग प्रतिनिधि, प्रशिक्षण संस्थान, विभिन्न हितधारक तथा आरएसएलडीसी के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

टीसीएस का 'कॅरियर क्रिएटर' पोर्टल लॉन्च—

राइजिंग राजस्थान के तहत टाटा कन्सलटेंसी सर्विसेज के साथ हुए एमओयू को धरातल पर उतारते हुए विश्व युवा कौशल दिवस के मौके पर टीसीएस का नवीनतम पोर्टल 'कॅरियर क्रिएटर' लॉन्च किया गया। यह एक फ्री कॅरियर डिकवरी एंड रेडीनेस पैकेज है, जो युवाओं को कॅरियर चयन, आत्म मूल्यांकन, स्किल गाइडेंस और डिजिटल टूल्स के माध्यम से तैयारी में मदद करेगा। यह पोर्टल युवाओं को 21वीं सदी के कॅरियर लायक़ स्किल्स और सोच विकसित करने में सहायता करेगा।

युवा कौशल दिवस के अवसर पर कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग में हुआ आयोजन

-कैम्पस प्लेसमेंट शिविर एवं करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग की वार्षिक कार्य-योजना वर्ष 2025-26 के क्रियान्वयन के तहत सभी वर्गों के आशार्थियों के लाभार्थ उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय जयपुर द्वारा युवा कौशल दिवस के अवसर पर कैम्पस प्लेसमेंट शिविर एवं करियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय की उप निदेशक, नवरेखा ने बताया कि कैम्पस प्लेसमेंट शिविर में 278 बेरोजगार आशार्थियों ने भाग लिया एवं उक्त कैम्पस प्लेसमेंट शिविर में 06 निजी संस्थानों ने भाग लेकर अपनी रिक्तियों के अनुसार 126 आशार्थियों का प्राथमिक चयन किया तथा 57 आशार्थियों का प्रशिक्षण हेतु चयन कर कैम्पस प्लेसमेंट शिविर में कुल 158 आशार्थियों को लाभान्वित किया गया। कैम्पस प्लेसमेंट शिविर में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के निम्न संस्थानों ने भाग लिया। रोजगार विभाग जयपुर के संयुक्त निदेशक जगदीश निर्वाण ने शिविर का उद्घाटन किया व मौके पर ही 7 आशार्थियों को विभिन्न संस्थानों में चयनित होने पर नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। इस अवसर पर सीजीसी के उप क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी अतुल कुमार सोनू, परिवर्तन स्किल एकेडमी सलाहकार प्रतिभा सोढानी, सुश्री लक्ष्मी जांगिड़ आदि ने उपस्थित युवा आशार्थियों को रोजगार मार्गदर्शन एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की। उपस्थित सभी निजी नियोजकों ने मौके पर अपने संस्थान का परिचय एवं रिक्तियों की जानकारी प्रदान की। कैम्पस प्लेसमेंट शिविर में उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय की रजनी गोयल एवं रजनीश खलवा आदि ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया ।

राज्य सरकार ने जारी की 2.51 करोड़ की रिसर्च फैलोशिप राशि

-शोधार्थियों ने जताया विधायक का आभार

जाफ़र लोहानी

मनोहरपूर,(रॉयल पत्रिका)। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय प्रदेश के उन शोधार्थियों के लिए रिसर्च फैलोशिप स्कीम चालू करने की मांग की गई जिन्हें किसी भी प्रकार की केन्द्रीय फेलोशिप नहीं मिल रही थी। जिस पर कांग्रेस सरकार द्वारा उच्च शिक्षा में रिसर्च कार्य व शोधार्थियों को आर्थिक सम्बल देने के लिए बजट 2023-24 में "नेट /सेट उत्तीर्ण रिसर्च फैलोशिप स्कीम" शुरू की गई। जिसमें 2 वर्ष तक प्रति माह 20 हजार रुपए देने की घोषणा की थी। बजट क्रियान्वन में प्रदेश के विश्वविद्यालयों द्वारा स्कीम में आने वाले शोधार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए। जिसमें चुनाव आचार संहिता से पहले कुछ शोधार्थियों को फेलोशिप मिल गई। लेकिन शेष रहे शोधार्थियों को दिसम्बर 2023 में सरकार बनने के बाद मई 2025 तक किसी भी प्रकार की फेलोशिप राशि जारी नहीं की गई। गोरतलब है कि पीड़ित शोधार्थियों ने विधायक मनीष यादव को मिलकर अवगत कराया था। विधायक यादव ने विधानसभा के बजट सत्र में शोधार्थियों को फेलोशिप देने की मांग की और स्कीम को चालू रखने की बात सदन में पुरज़ोर तरीक़े से उठाई ताकि गरीब शोधार्थियों को राहत मिले। जिसके बाद सरकार द्वारा प्रदेश के सैकड़ों शोधार्थियों की 2 करोड़ 51 लाख रुपए की फेलोशिप राशि विश्वविद्यालयों को दी गई। जिसके बाद जून 2025 तक सभी शोधार्थियों के खाते में पैसा आयें। आज प्रदेश के विभिन्न शोधार्थियों द्वारा डॉ. रामसिंह सामोता, रामस्वरूप ओला अध्यक्ष शोध छात्र संघ राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के साथ कई शोधार्थियों ने विधायक से मिलकर आभार व्यक्त किया गया।

प्रशिक्षित बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से भरवाएंगे गणना प्रारूप

- 43 मास्टर ट्रेनर्स को दिया विशेष गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का एक दिवसीय विशेष गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य चुनाव अधिकारी राजस्थान नवीन महाजन की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। मुख्य चुनाव अधिकारी ने उद्घाटन सत्र में बताया की बिहार की तर्ज पर जल्द ही भारत निर्वाचन आयोग ने संपूर्ण राष्ट्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) अभियान चलाने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व 2002 में मतदाता सूचियों के रिवीजन का कार्य हुआ था। उन्होंने बताया कि राजस्थान में भी विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया जाएगा जिसमें बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता सूचियों के शोधन का कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके लिए संपूर्ण राजस्थान के 41 जिलों के 43 मास्टर ट्रेनर्स को विस्तृत प्रशिक्षण देकर उनकी क्षमता में अभिवृद्धिकरण का कार्य किया जा रहा है ताकि वे उनके जिलों में जाकर वहां के बीएलओ और सुपरवाइजर को उक्त कार्य हेतु प्रशिक्षित कर सके। उन्होंने बताया कि इनके द्वारा प्रशिक्षित बीएलओ राजस्थान के 5 करोड़ 75 लाख मतदाताओं के घर-घर पहुंचकर गणना प्रारूप भरवाकर मतदाता सूची के शोधन का कार्य करेंगे। उन्होंने सभी मास्टर ट्रेनर्स को भारत निर्वाचन आयोग व मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय राजस्थान द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देशों व जानकारियों से अपने आप को अपडेट रखने व सभी प्रकार के अक्सर पुछे जाने वाले सवालों (एफ ए क्यू) की जानकारी रखने के लिए कहा है। संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. रौनक बैरागी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) में बीएलओ की भूमिका के बारे में सत्र लिया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी जयपुर आशीष कुमार उपस्थित रहे।

नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने वार्ड नं. 70 चित्रगुप्त पार्क में किया पौधारोपण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बुधवार को मानसरोवर के वार्ड 70 कावेरी पथ, चित्रगुप्त पार्क में पौधारोपण किया। इस अवसर पर पर्यावरण प्रकोष्ठ जयपुर शहर के अध्यक्ष श्री संजय जैन, चैयरमेन पारस जैन, पार्षद रामवतार गुप्ता एवं आमजन मौजूद रहे। महापौर डॉ. सौम्या ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार है इसलिये मानसून के दौरान हर व्यक्ति को एक पौधा जरूर लगाये। नगर निगम ग्रेटर द्वारा वन विभाग से पौधे प्राप्त कर वितरण हेतु सभी जोन कार्यालयों में वितरण केंद्र स्थापित कर अब तक 25000 पौधे पार्षदगणों, जनप्रतिनिधियों, एनजीओ, समितियों एवं आमजन को वितरित कर हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया जा रहा है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग और एनआईसी के बीच हुआ एमओयू साइन

-आमजन को सिंगल इंटीग्रेटेड पोर्टल पर मिल सकेगी विभिन्न योजनाओं की जानकारी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत की उपस्थिति में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं एनआईसी के मध्य मंगलवार को महत्वपूर्ण एमओयू साइन किया गया, जिसके तहत विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी सिंगल इंटीग्रेटेड पोर्टल पर मिल सकेगी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मुख्यालय अम्बेडकर भवन में निदेशक आशीष मोदी एवं एनआईसी के राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी जितेंद्र वर्मा ने एमओयू पर साइन कर सहमति जताई। जल्द ही विभाग का पोर्टल नए लुक और आमजन को आसानी से समझने योग्य बनाया जाएगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोड़ा ने इसे विभाग लिए बेहतरीन कदम बताया। गौरतलब है कि पिछले दिनों अतिरिक्त मुख्य सचिव ने विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक के दौरान पेंशन, छात्रवृति सहित सभी तरह के आवेदन से सत्यापन तक प्रक्रियाओं का सरलीकरण कर तकनीकी रूप से यूजर फ्रेंडली बनाने के निर्देश दिए थे। इस दौरान देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा, अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) केसरलाल मीना, एनआईसी से आईडी वरीयानी, संयुक्त निदेशक (आईटी) अमर सिंह मीना सहित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जोन उपायुक्तों एवं जोन OIC ने किया शहर की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार बुधवार को सभी जोन उपायुक्त एवं जोन OIC ने अपने-अपने जोन में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। झोटवाड़ा जोन की टीम द्वारा डीसीएम, अजमेर रोड पर दोषी व्यक्ति द्वारा कचरा खुले में डालने पर 500 रूपये का जुर्माना किया तथा भविष्य में कचरा रोड पर नहीं डालने की चेतावनी भी दी। निरीक्षण के दौरान सभी जोन उपायुक्तों एवं जोन OIC ने सफाई कर्मचारियों की हाज़िरी, ओपन कचरा डिपो की स्थिति, जलभराव संबंधी स्थानों, दुकानों के बाहर हरे व नीले रंग के डस्टबिन की स्थिति, अवैध होर्डिंग, बैनर, पोस्टर, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, सीएनडी वेस्ट आदि का औचक निरीक्षण किया तथा कमियाँ पाई जाने पर तत्काल रूप से उन्हें सुधारने के निर्देश दिये।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमले असहनीय

-IFWJ की पाली इकाई ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मोहम्मद यासीन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सहित पुरे देश में भी लगातार पत्रकारों पर हमले हो रहे है जिसको लेकर सरकार को अब पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने पर गंभीरता दिखानी चाहिए क्योंकि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहलाने वाले पत्रकारों के साथ लगातार हो रही घटनाओं को लेकर रोष व्याप्त है। आज IFWJ(इंडियन फेडरेशन वर्किंग ऑफ जर्नलिस्ट्स)की पाली इकाई ने प्रदेशाध्यक्ष उपेन्द्रसिंह राठौड़ के निर्देश पर जिलाध्यक्ष संदीप खिंवाड़ा के नेतृत्व में पिछले दिनों माउंट आबू में पत्रकार साथी हरिपालसिंह उख़रडा के साथ हुई मारपीट और लूट की वारदात में शामिल नगरपालिका के तीनों दोषी कार्मिकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। साथ ही मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर

को ज्ञापन सौंपकर देश और प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने सहित संगठन की 16 सूत्रीय मांग पत्र भी सौंपकर पत्रकार हितों पर अपनी बात रखी। इस दौरान IFWJ जिलाध्यक्ष संदीप खिंवाड़ा, महासचिव सुभाष रोहिस्वाल, पाली प्रेस क्लब अध्यक्ष शेखर राठौड़, वरिष्ठ पत्रकार श्याम चौधरी, जीतेन्द्र कच्छवाह, सिकंदर खान, सुभाष त्रिवेदी, कैलाश गहलोत सोजत, मनोज शर्मा, जय थावानी, भारत भूषण जोशी, रवि सोनी,पन्नालाल चौहान, मुकेश राजा, हस्तपालसिंह, गोपाल भाटी, दिनेश चौहान,कुलदीप पंवार, अनवर खान, जगदीशसिंह गहलोत, मोहम्मद यासीन , आशिफ खान, हरीश गहलोत, मुकेश सोनी, जितेश कुमार,अभय कच्छवाह, शरद भाटी सहित कई पत्रकार साथी मौजूद रहे।

गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर संगठनात्मक रणनीति पर इमरान प्रतापगढ़ी से

-इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद की महत्वपूर्ण बैठक

शब्बीर हुसैन

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद (एडवोकेट – सुप्रीम कोर्ट, राष्ट्रीय संयोजक एवं सदस्य, अनुशासनात्मक समिति, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, नई दिल्ली एवं प्रभारी, गुजरात) के निजी सचिव द्वारा एक औपचारिक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया गया कि आज इमरान प्रतापगढ़ी (सांसद – राज्यसभा एवं चेयरमैन, अल्पसंख्यक विभाग, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी) से एक अत्यंत महत्वपूर्ण, सारगर्भित एवं सौहार्दपूर्ण भेंट सम्पन्न हुई । इस विचार-विमर्श में संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण, कार्यकर्ताओं में नवचेतना का संचार, सामाजिक संवाद की गति तेज करने तथा आगामी गुजरात विधानसभा चुनावों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की निर्णायक एवं बहुमत प्राप्त सरकार के गठन हेतु ठोस रणनीतिक पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इमरान प्रतापगढ़ी का दूरदर्शी नेतृत्व, समावेशी दृष्टिकोण और ज़मीनी समझ संगठन के प्रत्येक स्तर पर प्रेरणा का स्रोत है। उनके मार्गदर्शन में हम सभी कांग्रेस

की लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष एवं न्यायपूर्ण विचारधारा को सुदृढ़ता से जन-जन तक पहुँचाने हेतु पूर्णतः संकल्पबद्ध हैं।

जिला क्रिकेट संघ सवाई माधोपुर की विधिवत निर्वाचित कार्यकारिणी द्वारा उच्च न्यायालय जयपुर

- में एक रिट याचिका दायर की गई

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान क्रिकेट संघ (RCA) की तदर्थ समिति के कन्वीनर के रूप में दीनदयाल कुमावत की नियुक्ति पूरी तरह अवैध, असंवैधानिक और न्यायालय के पूर्व आदेशों के प्रतिकूल है, क्योंकि दीनदयाल कुमावत नाम का व्यक्ति वर्तमान में जिला क्रिकेट संघ सवाई माधोपुर की विधिक मान्यता प्राप्त कार्यकारिणी का प्राइमरी सदस्य भी नहीं है।जिला क्रिकेट संघ सवाई माधोपुर की वैध कार्यकारिणी को पूर्व में माननीय न्यायालय व अपीलीय प्राधिकारी द्वारा अंतिम आदेशों में मान्यता दी जा चुकी है, जिन पर अब तक किसी भी उच्च न्यायालय द्वारा कोई रोक नहीं लगाई गई है। ऐसे व्यक्ति को कन्वीनर नियुक्त करना आदेशों की अवमानना और खेल संघों की स्वायत्तता पर सीधा प्रहार है।अतः रिट याचिका में माननीय उच्च न्यायालय से अनुरोध किया गया है कि दीनदयाल कुमावत की नियुक्ति को तुरंत प्रभाव से निरस्त किया जाए, जिससे जिला क्रिकेट संघ सवाई माधोपुर की वैधानिक और लोकतांत्रिक ढंग से निर्वाचित कार्यकारिणी के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप रोका जा सके।जिला क्रिकेट संघ सवाई माधोपुर यह स्पष्ट करता है कि वह न्यायालय के आदेशों और खेल संघों की लोकतांत्रिक व्यवस्था का सम्मान करता है, और किसी भी प्रकार की अवैध नियुक्ति या हस्तक्षेप का पूरी मजबूती से विरोध करता रहेगा।

73 वर्षीय हनुमान सिंह इंदा की पीएचडी पूर्ण उम्र के इस पड़ाव में डॉक्टरेट की ये उपलब्धि बनी मिसाल

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा प्राप्त करने की कोई उम्र नहीं होती और आदमी ताउम्र ज्ञान अर्जित कर सकता है। इसी बात को साबित करते हुए हनुमान सिंह ने 73 वर्ष की उम्र में पीएचडी कर के एक अनुकरनीय मिसाल पेश की है। मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान ने बताया कि विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग से जुड़े शोधकर्ता हनुमान सिंह इंदा की कहानी वास्तव में प्रेरणादायक है। इनके शोध का विषय "समग्र शिक्षा अभियान: जोधपुर जिले के राजकीय विद्यालयों में कार्यक्रमों की क्रियान्विती-उपलब्धियों पर शोध प्रबन्धन" रहा। डीन रिसर्च डॉ. मोहम्मद तालेउज्जमा ने बताया कि यूनिवर्सिटी चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने इन्हें सम्मानित किया। यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट डॉ. जमील काजमी का इनके शोध में विशेष मार्गदर्शन रहा। एज्यूकेशन डिपार्टमेन्ट डीन डॉ. समीना के

निर्देशन में इन्होंने शोध कार्य पूरा किया। मिरिंडा कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन, बैंग्लूरू की प्रोफेसर डॉ. मनोरमा शर्मा ने इनका वाइवा लिया। पूर्व डीन डॉ. पीयूष शर्मा एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. किशन लाल का खास सहयोग रहा। हनुमान सिंह अर्थशास्त्र व्याख्याता पद पर रहते हुए 41 वर्षो तक सशक्त शिक्षक की सेवाएं देकर सेवानिवृत हुए। खुद अर्थशास्त्र के विद्यार्थी होने के बावजूद भी उन्होंने एज्यूकेशन विषय को अपने शोध के लिए चुना ये बड़ा चुनौतीपूर्ण एवं शिक्षा क्षेत्र के लिए सराहनीय कार्य है। इनसे शिक्षा ग्रहण किये कई विद्यार्थी वर्तमान में उच्च पदों पर कार्य कर रहे है। यूनिवर्सिटी से जुड़े डॉ अशोक भार्गव, डॉ मुमताज, डॉ. फरहा, यूनुस खान पठान, सलमान खान, साबरा कुरैशी सहित सभी फैकल्टी सदस्यों एवं डॉ सिंह की पत्नी मीना कंवर, पुत्री ललिता इंदा, ज्योत्सना इंदा, योगिता इंदा एवं जवाई संदीप सिंह चौहान, गजेन्द्र सिंह सांखला, मनोज सिंह चौहान, समस्त मित्रों एवं परिवारजनों ने डॉक्टरेट की उपाधि हासिल करने पर डॉ सिंह को बधाई दी।

पीड़ित प्रतिकर मीटिंग का आयोजन कर पीडितों को 26 लाख रुपये की प्रतिकर राशि प्रदान करने के दिये आदेश

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के तत्वाधान में मंगलवार को देवेन्द्र दीक्षित, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर की अध्यक्षता में पीड़ितों को प्रतिकर राशि दिलवाये जाने हेतु जिला प्राधिकरण के पदेन सदस्यगण के साथ मीटिंग का आयोजन किया गया। पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत लंबित कुल 6 प्रार्थना पत्रों पर विचार-विमर्श किया गया। जिसमें अंतिम स्तर के जीवन हानि (हत्या) के चार प्रकरणों में तथा अंतरिम स्तर के आत्महत्या के एक और पोक्सो के एक प्रकरण में प्रार्थना पत्रों पर विचार-विमर्श किया गया। जिसमें समिति द्वारा जीवन हानि (हत्या) के अंतिम स्तर के चार प्रार्थना पत्रों में सर्वसम्मति से क्रमशः 10 लाख, 5 लाख, 5 लाख एवं 4 लाख सहित कुल 24 लाख रूपये एवं अंतरिम स्तर के पोक्सो के एक प्रकरण में 1,25,000 एवं

आत्महत्या के एक प्रकरण में 75,000 रूपये सहित कुल 2 लाख रूपये प्रतिकर के रूप में स्वीकृत किये जाने के आदेश दिये गए। इस प्रकार सर्वसम्मति से कुल 06 प्रकरणों में कुल 26 लाख रूपये पीड़ित प्रतिकर के रूप में प्रदान किये जाने के आदेश प्रदान किये गये। साथ ही कारागृहों के नवीन भवन निर्माण हेतु एवं जेलों के निर्धारित मापदण्डों को पूरा करने के लिए गठित जेल एम्पावर्ड कमेटी तथा विधिक सहायता के प्रार्थना पत्रों के निस्तारण के संबंध में भी मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय राजेन्द्र शर्मा, न्यायाधीश मोटर वाहन दुर्घटना दावा अधिकरण सुन्दर लाल बंशीवाल, विशिष्ट न्यायाधीश एससी/एसटी न्यायालय असीम कुलश्रेष्ठ, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समीक्षा गौतम, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आशुतोष सिंह आढ़ा, जिला कलेक्टर काना राम, पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता, अध्यक्ष बार एसोशिएसन उमाशंकर शर्मा, लोक अभियोजक जितेन्द्र शर्मा, चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल राधेश्याम जोगी, उपाधीक्षक जिला कारागृह महावीर प्रसाद मीना उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना के तहत श्रमिक, पथ विक्रेता व लोक कलाकार करवा सकते है पंजीकरण

पाली, (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना के तहत जिले में श्रमिकों, पथ विक्रेताओं एवं लोक कलाकारों का पंजीकरण किया जा रहा है। राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग के उप निदेशक हरिहर सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना के तहत 41 से 45 वर्ष के श्रमिकों, पथ विक्रेताओं एवं लोक कलाकारों द्वारा 100 रुपये मासिक प्रीमियम के रूप में जमा करवाने पर 60 वर्ष की आयु के पश्चात वृद्धावस्था में 3000 रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी। पंजीकरण के लिए कार्यालय उप निदेशक राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग नवलखा मंदिर के पास में सम्पर्क कर पंजीकरण करवा सकते है। इसके लिए यूएएन नंबर, जनाधार कार्ड, बैंक पासबुक अथवा कैंसिल चौक तथा ई-श्रम कार्ड की आवश्यकता होगी।

पंचायतीराज जिला उपाध्यक्ष बने पुखराज सिंह राजपुरोहित मादा

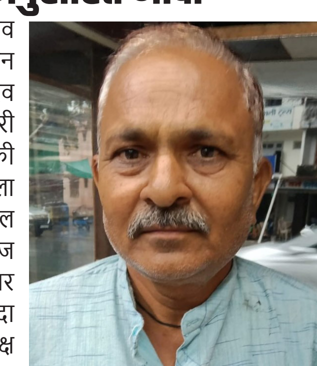

पाली,(रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सी बी यादव के निर्देश पर संभाग प्रभारी बलदेव राम बेनीवाल की अनुशंसा पर पाली जिला अध्यक्ष मदन सिंह जागरवाल ने राजीव गांधी पंचायती राज पाली जिला उपाध्यक्ष पद पर पुखराज सिंह राजपुरोहित मादा को नियुक्ति दी। जिला अध्यक्ष जागरवाल ने बताया कि पुखराज सिंहराजपुरोहित मादा देसूरी एवं बाली ब्लॉक पंचायती राज संगठन को सक्रिय करने का कार्य सौंपा। पुख राज सिंह राजपुरोहित के जिला उपाध्यक्ष बनने पर देसूरी ब्लॉक लखमाराम मांडी गढ़ बाली ब्लॉक अध्यक्ष थानाराम प्रजापत समन्वयक अनिल भाटी बाली ब्लॉक अध्यक्ष यशपाल सिंह अमर सिंह पवार दिनेश आदिवाल घाणेराव आदि अनेक कांग्रेस जनों ने खुशी जाहिर करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सीबी यादव का आभार प्रकट किया।

शिवाड़ ग्राम पंचायत पर परिपूर्णता कैंप का हुआ आयोजन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिले की ग्राम पंचायत शिवाड़ में बैंकों की सरकारी योजनाओं का परिपूर्णता शिविर का आयोजन रखा गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य है कि सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न बैंकिंग योजनाओं का लाभ ग्राम पंचायत स्तर पर सभी योग्य व्यक्ति तक पहुंचाया जा सके तथा कोई भी योग्य व्यक्ति सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। शिविर में भारतीय रिजर्व बैंक, जयपुर से सहायक महाप्रबंधक अनीता शर्मा के द्वारा कैंप का निरीक्षण किया गया और लोगों को सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देकर समझाया गया । साथ ही जिला अग्रणी प्रबंधक प्रदीप कुमार ने अटल पेंशन योजना

तथा सुकन्या समृद्धि योजना के बारे में बताया। इस अवसर पर बड़ौदा आर. सेटी. के निदेशक नीरज गोपालिया ने ग्रामीण अंचल के बेरोजगार युवाओं को आर सेटी के द्वारा निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण की विस्तृत जानकारी दी तथा उनको स्वरोजगार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सहायक एलडीएम रानू चांदना और क्रिसिल फाउंडेशन सीएफएल से सहायक एरिया मैनेजर अंतिमा चौहान भी मौजूद रहे। शिविर में उपस्थित लोगों को वित्तीय साक्षरता और बैंकिंग जन सुरक्षा योजनाओं और डिजिटल लेन देन और साइबर फ्रॉड आदि के बारे में जानकारियां दी गई तथा बैंक BC तथा स्टाफ के द्वारा उनको तत्काल रूप से बीमा, APY, ई केवाईसी आदि योजनाओं से जोड़ा गया।

स्वच्छ जल उपलब्ध कराएं: जिला कलक्टर काना राम

-जल जीवन मिशन की प्रगति में लाएं गति, शत-प्रतिशत

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर काना राम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। में पेयजल आपूर्ति की स्थायी व्यवस्था, अधूरी योजनाओं के शीघ्र पूर्णता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने सहित कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। उन्होंने अब तक जल जीवन मिशन के तहत क्रियान्वित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा कर आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्यों में गति लाई जाए तथा गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। जिला कलक्टर ने कहा कि जल जीवन मिशन और स्वच्छता अभियान का प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी गांवों में स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही अभियान की सतत निगरानी एवं सुचारू संचालन हेतु जनभागीदारी को भी बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने जिले में शत प्रतिशत एफएचटीसी

(फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन) जारी हो चुके 206 गांवों के संबंध में ग्राम सभा से हर घर जल प्रमाण-पत्र जारी करवाने पर जोर दिया। साथ ही संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि इसके लिए आवश्यक कार्यवाही तत्परता से पूरी की जाए। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्मित पेयजल स्रोतों के लंबित विद्त कनेक्शन की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने डिमांड नोट जमा शुदा लंबित 07 कनेक्शन एक सप्ताह में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। एवं बजट अभाव के कारण डिमांड नोट जमा नहीं हो पाने से जो विद्त संबंध लंबित उन्हें अंडरटेकिंग पर जारी करने के निर्देश प्रदान किए गए ताकि आमजन को पेयजल उपलब्ध करवाने में अनावश्यक विलंब नहीं हो। साथ ही मिशन के तहत जिन ग्राम पंचायतों अथवा पीडब्ल्यूडी सड़कों को क्षति पहुंची है, उनकी मरम्मत शीघ्र कराए जाने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने 2 से 3 वर्षों से लंबित योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने, सभी विद्यालयों और आंगनबाड़ी केन्द्रों में स्थायी पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा जल जीवन मिशन की पोर्टल प्रविष्टियों को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाए रखने के निर्देश भी दिए। कलक्टर ने स्पष्ट किया कि जो पेयजल संरचनाएं पूरी तरह अनुपयोगी हो चुकी हैं और सुधार की स्थिति में नहीं हैं, उन पर रेड क्रॉस चिह्न अंकित कर आमजन को स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराई जाए। बैठक में पीएचईडी के अधीक्षण अभियंता भगवान सहाय मीणा ने मिशन अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं प्रगति की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

सखी क्लब ने लिया वृद्धाश्रम को गोद

शब्बीर हुसैन

बारां,(रॉयल पत्रिका)। सखी क्लब बारां द्वारा सावन के पहले सोमवार को भक्त श्रवण कुमार सेवाश्रम पर स्नेहभोज करा कर वृद्धजनों के साथ समय बिताया व उनकी समस्याओं पर चर्चा की। सखी क्लब अध्यक्ष उर्मिला जैन भाया व कोषाध्यक्ष मधु शर्मा ने बताया कि भक्त श्रवण कुमार आश्रम को सरकार की मदद नहीं मिल पा रही है इसलिए इस आश्रम को सखी क्लब द्वारा गोद लिया गया है। सखी क्लब द्वारा वृद्वाश्रम के सभी वृद्धजनों की सेवा का संकल्प लिया गया। सखी क्लब अध्यक्ष उर्मिला जैन भाया ने कहा कि समाज में वृद्वजनों का एक अहम स्थान है। आज के भौतिक दौर में परिवारजनों के पास अपने बुजुर्गो से बातचीत करने, उनके साथ समय बिताने तक का समय नही है और दुनियादारी की दौड़ में भाग रहे है। यह बुजुर्गगण उम्र के अन्तिम पडाव में अपने आपको अकेला महसूस करते है। श्रीमती भाया ने कहा कि हमें अपने परिवार के बुजुर्गगणों के साथ कुछ समय अवश्य बिताना चाहिए ताकि उन्हें अकेलापन महसूस नही हो और वह खुष रह सकें। क्लब की सदस्य ज्योति पारस एवं चंद्रकला सेठी ने बताया कि इस दौरान मंजू जैन, राखी चोपड़ा, प्रेरणा शर्मा आदि क्लब सदस्याएं उपस्थित रही। सखी क्लब की ओर से उपस्थित सभी वृद्धजनों को स्नेहभोज करवाया गया तथा साथ ही वृद्धजनों द्वारा कविता पाठ कर अपने विचार व्यक्त किए गए।

विद्युत विभाग द्वारा स्मार्ट मीटर लगाए जाने पर कांग्रेस ने रैली निकाल कर विरोध जताया

-जिला कलेक्टर को ज्ञापन सोपा

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया के निर्देशानुसार शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चूरू के संयुक्त तत्वावधान में चूरू जिला मुख्यालय स्थित शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में मासिक मीटिंग का आयोजन किया गया है। मिटिंग में विधुत विभाग द्वारा पारंपरिक मीटरो को हटाकर स्मार्ट मीटर लगाये जाने पर चर्चा की गई। मिटिंग के पश्चात कांग्रेस कार्यकर्ताओ एवं पदाधिकारियों द्वारा शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय चूरू से आपणी योजना स्थित कलक्टर कार्यालय तक रैली के माध्यम से पहुंचकर जिला कलक्टर को ज्ञापन प्रेषित कर स्मार्ट मीटर के विरोध में लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रकट किया। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव रियाजत खान ने बताया कि बिना सहमती के स्मार्ट मीटर लगाकर जनता को लूटने का काम किया जा रहा है। जहां जहां स्मार्ट मीटर लगाये गये है वहां उपभोक्ताओं को 3-4 गुना तक ज्यादा बिल थमाए जा रहे है, यह पुरी तरह से जन विरोधी कदम है। स्मार्ट मीटरो की अनियमितता और अत्यधिक बिलिंग के विरोध में

आज जनता का गुस्सा फुटा पडा है। उन्होने कहा कि यदि बिजली विभाग और सरकार ने इस मुद्दे को गंभीरता से नही लिया, तो कांग्रेस पार्टी सडक पर उतरकर आंदोलन करेंगी। इसी क्रम में पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया एवं निवर्तमान सभापति पायल सैनी, किसान नेता आदूराम न्यौल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद हुसैन निर्माण ,शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, जिला परिषद सदस्य कमला पुनियां, सुखाराम घिंटाला, सोहनलाल मेघवाल, ने मिटिंग को संबोधित किया। इस अवसर पर जमील चौहान, चन्दनमल मेघवाल, शिवकुमार शर्मा, शेर खान मलखाण, अजीज दिलावरखानी, कुरडाराम भाकर, संजय भाटी, रामानन्द न्यौल, अंजनी शर्मा, बुल्लेशाह, लालचंद सैनी, रामचन्द्र सुण्डा, हर्ष लाम्बा, अबरार खां, हरचंद कडवासरा, जाकीर झारियावाला, श्रवण बसेर, अजरूदिन खोखर, जयचंद मेघवाल, अली मोहम्मद भाटी, प्रेम प्रकाश, असलम खां मोयल, रामेश्वर नायक, प्यारेलाल दानोदिया, शाहरूख खान, किशनाराम बाबल, सोयल डीके, समीउल्लाह, रणजीत श्योराण, डूंगरसिंह उंटवालिया, जंगशेर खान, विनोद खटीक, प्रमेश्वरलाल ढाका, गिरधारी भाम्मी, शाहिद खान, बजरंग बजाड, आबीद जाबासरिया, अनिस खान, विमल शर्मा, जितु सिंह, पालाराम मेघवाल, पूर्णाराम धाणक, निरंजन शर्मा, ओमप्रकाश जांगिड, सद्दाम हुसैन, शिशपाल स्वामी, तारिख नागौरी, तोफिक खान, अजु भाई, बिन्द लुहार मो. कासम चेजारा, सदीक लीलगर, मनीष कुमावत, हेमन्त सैनी, फारूक चौहान, इस्माईल भाटी, सुरेश शर्मा, विजय सारस्वत, बाबू मंत्री, अब्बास खां, सिराज जोईया, गोकुल शर्मा, सहित सैकडो कांग्रेस कार्यकर्ता मौजुद रहें।

बेटियों को सुरक्षित वातावरण में विकास के मिलें भरपूर अवसर: एडीएम दिवांशु शर्मा

-बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जिला समिति की बैठक हुई सम्पन्न

शब्बीर हुसैन

बारां,(रॉयल पत्रिका)। महिला अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में जिला महिला समाधान समिति एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की समीक्षा बैठक बुधवार 16 जुलाई को अतिरिक्त जिला कलक्टर दिवांशु शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में एडीएम शर्मा ने जिले में ग्राम पंचायत स्तर से जिला स्तर तक बेटियों का सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर गंभीर मंथन किया। बैठक में महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक सतीश परिहार ने महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्रों की प्रगति रिपोर्ट के साथ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का एक्शन प्लान, बाल विवाह, घरेलू हिंसा रोकथाम, लैगिंक उत्पीड़न से संबंधित विभागीय कार्यो को विस्तार से बैठक में रखा। बैठक में एडीएम दिवांशु शर्मा ने कहा कि महिला

सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षित वातावरण को पहली प्राथमिकता देते हुए महिलाओं के उन्नयन के लिए कार्य किए जाने चाहिए। उन्होंने महिला बाल विकास, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारियों को महिलाओं एवं बेटियों के सशक्तिकरण के लिए धरातल पर जाकर कार्य करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों को ग्राम स्तर से जिला स्तर तक समय-समय पर विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से महिलाओं को सशक्त करने एवं उन्हें विभिन्न विषयों में शिक्षित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैठकों का उद्देश्य तभी पूरा हो सकता है जब धरातल पर कोई उदाहरण सामने आए, जिसमें महिलाओं और बेटियों के शैक्षणिक एवं सामाजिक स्तर को विकसित करने की प्रेरणा छुपी हो। बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सहायक निदेशक शुभम नागर, डीईओ सीताराम गोयल, सहायक निदेशक जनसम्पर्क योगेन्द्र शर्मा सहित जिला महिला समाधान समिति की सदस्यगण एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जिला टास्क के सदस्यगण उपस्थित रहे।

राजकीय लोहिया महाविद्यालय के पास खुला पड़ा चैंबर बरसात के मौसम में दे रहा हादसे को न्योता

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजकीय लोहिया महाविद्यालय के पास खुला पड़ा है चैंबर विभाग नदारत ,साथ ही टूटी पड़ी है पेयजल की मुख्य लाइन जिला मुख्यालय की सबसे बड़ी कॉलेज के बगल में दुर्घटना को आमंत्रित कर रहा है खुला पड़ा चैंबर विभाग नदारद , शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच के संयोजक राजेश चौधरी ने बताया कि गत दिनों भारी बारिश होने के कारण लोहिया महाविद्यालय और आसपास के क्षेत्र में जल भराव की समस्या हो गई थी इसके बाद प्रशासन के दावे खोखले हो गए कि उन्होंने पुख्ता इंतजाम किए हैं इसकी पोल और भी ज्यादा तब खुली जब कॉलेज के नजदीक वाली गली के अंदर कई वर्षों से बंद पड़ा नाला जाम मिला जबकि प्रशासन दावा करता है कि उसने शहर के सभी मुख्य नाले एवं गलियों की नालियां भी पूर्णतः सफाई करवाई है आगे झारिया होटल के मालिक इलियास खान ने बताया कि नाला खोलने के बाद न तो अभी तक इसकी सफाई हुई है और नहीं वापस इसको बंद किया गया है यह आम रास्ता है जो अवरुद्ध हो चुका है। इस मार्केट में दुकानदारों को वह आम जन को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहां पर कई लोगों ने कहा कि यह खुला पड़ा चैंबर दुर्घटनाओं को आमंत्रित कर रहा है इसमें कोई व्यक्ति या शहर में निराश्रित घूम रहे पशु भी गिर सकते हैं हम प्रशासन से मांग करते हैं कि जल्द से जल्द विभाग संज्ञान लेते हुए राहत दे।

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री ने नालबड़ी में 18 विद्यालयों के पुस्तकालय उन्नयन कार्य का किया लोकार्पण

-सिंनजेंटा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सीएसआर के तहत इसके लिए व्यय किए 80 लाख

बीकानेर, (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को सिंनजेंटा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी मद के तहत जिले के 18 राजकीय विद्यालयों के पुस्तकालय उन्नयन कार्यों का लोकार्पण किया। सिंनजेंटा द्वारा सिंनजेंटा ज्ञान दीपिका परियोजना के तहत इन विद्यालयों के पुस्तकालयों में आवश्यक सौंदर्यकरण कार्य के अलावा 243 रेक्स, 480 कुर्सियां, 123 टेबलें और 17 सेट कंप्यूटर और पुस्तकें उपलब्ध करवाई गई हैं। जिनसे 5 हजार 446 विद्यार्थियों को अध्ययन का बेहतर वातावरण मिल पाएगा। इस पर सीएसआर मद से लगभग 80 लाख रुपए व्यय किए गए हैं। नालबाड़ी के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अर्पण सेवा संस्थान के क्रियान्वयन सहयोग से आयोजित कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल ने कहा कि सिंनजेंटा ने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए सराहनीय कार्य किया है। आने वाले समय में लगभग 50 विद्यालयों में पुस्तकालय विकास के कार्य करवाए जाएंगे, जिससे बच्चे यहां बैठकर अध्ययन कर सकें। अच्छी किताबें पढ़ने से बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी और वे सुयोग्य नागरिक बनकर देश के विकास में भागीदारी निभाएंगे।

नालबड़ी में खोलेंगे बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय

इस अवसर पर मेघवाल ने कहा कि नालबड़ी की बालिकाओं के लिए गांव में जल्दी ही उच्च माध्यमिक स्तर का विद्यालय खुलवाया जाएगा। इसके लिए उन्होंने माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट से कार्यक्रम स्थल से ही चर्चा करते हुए इसके लिए निर्देशित किया। मेघवाल ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि स्कूल स्वीकृति के पश्चात वे इसके लिए भूमि उपलब्ध करवाएं। सीएसआर मद से यहां भव्य विद्यालय भवन बनाकर संचालन के लिए शिक्षा विभाग को सुपुर्द किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों की अन्य समस्याओं के समाधान के लिए भी आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

फीता काटकर किया उद्घाटन, सत्रह स्कूलों के प्राचार्यों को सौंपी शिला पट्टिकाएं

इससे पहले केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नालबड़ी में विकसित किए गए पुस्तकालय का लोकार्पण किया। उन्होंने यहां पढ़ रहे विद्यार्थियों से बातचीत की तथा सरदार वल्लभभाई पटेल की जीवनी पढ़ रहे एक विद्यार्थी से दूरभाष पर चर्चा की। उन्होंने अन्य सत्रह विद्यालयों के प्राचार्यों को पुस्तकालय उन्नयन कार्य की शिला पट्टिकाएं सौंपी। सिंनजेंटा द्वारा पहले चरण में सिंथल, कानासर, नालबड़ी हाडला रावलोतान, गजनेर, सरह थुंबली, जोगियासन, फूलदेसर, कालू, उदासर, किसनासर, रातडिया, रासीसर, हरिराम बास महादेववाली, तोलियासर, जोरावरपुरा, जोधासर और भोजास में यह पुस्तकालय विकसित किए हैं।

जिला स्तरीय पंच गौरव समिति की त्रैमासिक बैठक सम्पन्न

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना "पंच गौरव कार्यक्रम" के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की द्वितीय त्रैमासिक बैठक का आयोजन मंगलवार को जिला कलक्टर के निर्देशानुसार जिला परिषद के ग्रामीण विकास अभिकरण सभागार में मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय पाठक की अध्यक्षता आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय पाठक ने बताया कि पंच गौरव कार्यक्रम का उद्देश्य जिले की विशिष्ट क्षमताओं, उत्पादों एवं स्थलों को संरक्षित, संवर्धित व विकसित कर जिले को एक विशिष्ट सांस्कृतिक व आर्थिक पहचान प्रदान करना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विरासत संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन व आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। बैठक में संबंधित विभागों को विभिन्न दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। खेल विभाग को जिला शिक्षा अधिकारी के समन्वय से ब्लॉक स्तर पर कबड्डी प्रशिक्षकों की नियुक्ति तथा विद्यालयों में कबड्डी आयोजन हेतु निर्देशित किया गया ताकि ग्रामीण प्रतिभाओं को राज्य व राष्ट्रीय स्तर तक लाया जा सके। पर्यटन विभाग को पुरातत्व विभाग से समन्वय कर पर्यटन विकास की कार्ययोजना बनाने व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु निर्देश दिए गए। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग को सीताफल उत्पादकों को प्रशिक्षण देने, मृदा उर्वरता बढ़ाने तथा कीट नियंत्रण हेतु जैविक उपायों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को पंच गौरव कार्यक्रम के लक्ष्यों के अनुरूप कार्ययोजना तैयार कर उसकी प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वन विभाग को बेलपत्र की कृषि को बढ़ावा देने तथा पौधे तैयार कर आमजन को वितरण करने की योजना पर कार्य करने हेतु निर्देश दिए गए। सभी विभागों को निर्देशित किया गया कि वे पंच गौरव कार्यक्रम की गाइडलाइन के अनुसार संशोधित विस्तृत कार्ययोजना दो दिवस में प्रस्तुत करें। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर रामचंद्र खटीक सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं पंच गौरव कार्यक्रम समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना राज्य के श्रमिकों, पथ विक्रेताओं व लोक कलाकारों को वृद्धावस्था में

- संबल प्रदान करने हेतु 3 हजार रुपए की पेंशन योजना प्रारम्भ

बारां, (रॉयल पत्रिका)। राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग सहायक निदेशक जूही अग्रवाल ने बताया कि राज्य के श्रमिकों, पथ विक्रेताओं व लोक कलाकारों को वृद्धावस्था में संबल प्रदान करने के लिए तीन हजार रुपए की पेंशन योजना प्रारम्भ की गई है। इसमें राज्य के ई-श्रमिक कार्ड धारक श्रमिकों, पथ विक्रेताओं एवं लोक कलाकारों के लिए राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना प्रारम्भ की गई है। इस योजना के तहत लाभार्थियों को 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 3000 रुपए मासिक पेंशन प्रदान की जाएगी। राजस्थान के 18 वर्ष से 45 वर्ष की आयु के ई- श्रमिक कार्ड धारक श्रमिक, पथ विक्रेता एवं लोक कलाकार इसके पात्र होंगे। वर्तमान में 41 से 45 वर्ष के लाभार्थियों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरु हो चुकी है। पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेज जनाधार कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक तथा ई-श्रम कार्ड है। पंजीकरण किए जाने के लिए राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग, बारां के एनपीएस कंप्यूटर कक्ष को स्थाई रूप से पंजीकरण कैंप स्थापित किया गया है।

विश्व युवा कौशल दिवस का हुआ आयोजन

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में विश्व युवा कौशल दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आईटीआई, महिला आईटीआई एवं आरएसएलडीसी के तत्वाधान में छात्र-छात्राओं द्वारा युवाओं में स्किल जागरूकता के लिए प्रभात फेरी रैली का आयोजन किया गया। आईटीआई अजमेर के उपनिदेशक अनिल कुमार शर्मा द्वारा बताया गया कि रैली में कौशल विकास से संबंधित स्लोगन बैनर का प्रदर्शन किया गया। रैली को क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक श्याम बाबू माथुर के द्वारा हरी झंडी दिखा करके रवाना किया गया। रैली आयोजन के पश्चात विश्व युवा कौशल दिवस का कार्यक्रम संस्थान हाल में आयोजित किया गया। इसमें प्राविधिक शिक्षा निदेशालय राजस्थान द्वारा नामित अजमेर जिले की ब्रांड एंबेसडर अमिता मिश्रा को ब्लेजर एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। अमिता मिश्रा के द्वारा आह्वान किया गया कि आईटीआई से तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात छात्र-छात्राएं अपना स्वयं का रोजगार स्थापित करें। इससे उनकी स्वयं की आमदनी के साथ-साथ अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कर सकेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं द्वारा कौशल विकास के संबंध में विचार व्यक्त किए गए। इस अवसर पर महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अजमेर के सहायक निदेशक शैलेंद्र माथुर एवं आरएसएलडीसी जिला समन्वयक निखिल बत्रा द्वारा कौशल विकास में आईटीआई प्रशिक्षण का महत्व प्रशिक्षार्थियों को बताया। कार्यक्रम मंच संचालन राजेश कुमार उबाना द्वारा किया गया।

भारतीय वायु सेना में वायुसैनिक की स्थायी भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

जालोर, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय वायु सेना में वायुसैनिक के रूप में चिकित्सा सहायक (मेडिकल असिस्टेंट) ट्रेड के लिए केवल पुरुष अभ्यर्थी की स्थायी भर्ती के लिए 11 जुलाई से ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ हो चुके हैं। पुरूष अभ्यर्थी 31 जुलाई को रात्रि 11 बजे तक ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। वायु सेना के 5 वायुसैनिक चयन केन्द्र के कमान अधिकारी व विंग कमाण्डर अभिषेक कटोच ने जानकारी देते हुए बताया कि भर्ती से संबंधित सभी नियमों की विस्तृत जानकारी तथा पंजीकरण के लिए www.airmenselection.cdac.in द पर लॉग ऑन करें।

आवेदन के लिए पात्रता के मानदंड चिकित्सा सहायक ट्रेड (10$2 वाले उम्मीदवारों के लिए) अभ्यर्थी अविवाहित होना चाहिए और उसका जन्म 02 जुलाई 2005 और 02 जुलाई 2009 के बीच होना चाहिए (दोनों तिथियाँ शामिल हैं)। चिकित्सा सहायक ट्रेड (फार्मेसी में डिप्लोमा/बी.एससी अभ्यर्थी के लिए) अविवाहित अभ्यर्थी का जन्म 02 जुलाई 2005 और 02 जुलाई 2007 के बीच होना चाहिए (दोनों तिथियाँ शामिल हैं)। विवाहित अभ्यर्थी का जन्म 02 जुलाई 2005 और 02 जुलाई 2005 के बीच होना चाहिए (दोनों तिथियाँ शामिल हैं)।

शैक्षिक योग्यता

अभ्यर्थी 10$2/इंटरमीडिएट/समकक्ष परीक्षा में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और अंग्रेजी के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए, जिसमें कुल मिलाकर न्यूनतम 50 प्रतिशतअंक और अंग्रेजी में 50 प्रतिशत अंक होने चाहिए अथवा अभ्यर्थी भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और अंग्रेजी जैसे गैर-व्यावसायिक विषयों के साथ दो साल के व्यावसायिक (वोकेशनल कोर्स) पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होना चाहिए, जिसमें कुल मिलाकर न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक और अंग्रेजी में 50 प्रतिशत अंक होने चाहिए। अभ्यर्थी को भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और अंग्रेजी में इंटरमीडिएट/10$2/समकक्ष परीक्षा कुल मिलाकर कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, नामांकन के समय राज्य फार्मेसी परिषद या भारतीय फार्मेसी परिषद (पीसीआई) से वैध पंजीकरण के साथ कुल मिलाकर कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ डिप्लोमा/बी.एससी. फार्मेसी अनिवार्य है।

विभागीय समन्वय बैठक आयोजित

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय विभागीय समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, बजट घोषणाओं की क्रियान्विति तथा संपर्क पोर्टल पर जन समस्याओं के निस्तारण की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि राज्य सरकार द्वारा की गई बजट घोषणाओं को समयबद्ध रूप से धरातल पर उतारा जाए। इसके लिए भूमि आवंटन से संबंधित शेष कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने एवं अंतरविभागीय समन्वय के तहत लंबित कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। लोक बन्धु ने आगामी रोजगार उत्सव की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभाग को नवनियुक्त कार्मिकों का पंजीयन, वेलकम किट वितरण तथा समारोह के आयोजन की संपूर्ण तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसमें सुरक्षा, अल्पाहार, पेयजल, चिकित्सा, पार्किंग तथा जयपुर जाने वाले वाहनों में मेडिकल किट की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को राजमार्गों पर स्थित ट्रॉमा सेंटरों पर चिकित्सा कार्मिकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही वर्षा ऋतु में संभावित मौसमी बीमारियों को ध्यान में रखते हुए घर घर सर्वे, एंटी लार्वा गतिविधियाँ, फॉगिंग और एमएलओ छिड़काव की नियमितता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उपखंड अधिकारी एवं नगरीय निकाय के अधिकारियों को जल भराव वाले क्षेत्रों का चिन्हीकरण कर रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनसुनवाई एवं संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे अपने विभाग से संबंधित 90 दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का आगामी जनसुनवाई से पूर्व निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय एवं केंद्र सरकार के पोर्टलों से प्राप्त प्रकरणों की व्यक्तिगत निगरानी जिला स्तरीय अधिकारी स्वयं करें। इससे राज्य स्तर की समीक्षा में जिले का प्रदर्शन अग्रणी बना रहेगा। जिला कलक्टर ने जनकल्याणकारी योजनाओं की जिलेवार रैंकिंग सूची में जिले के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों तक पहुँचाया जाए। इसमें लाभार्थियों का ई-केवाईसी एवं सत्यापन कार्य शीघ्र पूरा कर लाभ वितरण की प्रक्रिया में गति बढ़ाई जाए। विद्दुत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कुसुम योजना के सभी घटकों में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करें। महिला अधिकारिता विभाग के अधिकारियों को लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत बालिका जन्म को बढ़ावा देने के लिए कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य आधारित कार्य करने के निर्देश दिए। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को पॉलीहाउस, ड्रिप सिंचाई, फार्म पॉन्ड, तारबंदी आदि योजनाओं में प्राप्त आवेदनों के आधार पर लाभ वितरण सुनिश्चित करने के लिए कहा।

शहीद बिजेंद्र दौराता की प्रतिमा का अनावरण, वीरता को दी श्रद्धांजलि जवाहर सिंह

-कहा, यह केवल मूर्ति नहीं, बलिदान की अमर गाथा है

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय सेना की राजपूत रेजिमेंट के वीर शहीद बिजेंद्र दौराता की प्रथम पुण्यतिथि पर मंगलवार को उनके पैतृक गांव डुमोली कलां (ढाणी खूबा) में प्रतिमा अनावरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गृह, गोपालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम रहे, जिन्होंने शहीद की प्रतिमा का अनावरण कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सेना की टुकड़ी ने शहीद की प्रतिमा पर सैन्य सम्मान के साथ पुष्पांजलि अर्पित की। अनावरण से पूर्व ग्रामीणों ने तिरंगा रैली निकाली। समारोह में शहीद की मां धोली देवी, पिता रामजीलाल व पत्नी अंकिता देवी का राज्य मंत्री एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने शहीद के बलिदान को याद करते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना और गर्व व्यक्त किया। मंत्री बेढम ने इस मौके को अपने जीवन का सौभाग्य बताया और कहा कि यह केवल एक मूर्ति का अनावरण नहीं, बल्कि उस अमर बलिदान का प्रतीक है, जो शहीद बिजेंद्र सिंह जैसे वीर सपूतों ने भारत माता की रक्षा में दिया है। उन्होंने शहीद के माता-पिता के चरणों में नमन करते हुए कहा कि उनके नेत्रों में वीरता की चमक और हृदय में ऐसी पीड़ा थी, जिसे केवल वही अनुभव कर सकते हैं जिनका बेटा राष्ट्र रक्षा में शहीद हुआ हो। उन्होंने कहा, "यह केवल एक परिवार का बलिदान नहीं, बल्कि यह समूचे राष्ट्र का गौरव है। शहीदों के परिजनों का धैर्य, साहस और समर्पण हमें सदा प्रेरित करता रहेगा।" इस अवसर पर खेतड़ी विधायक धर्मपाल गुर्जर, झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांभू, जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हरी, पूर्व सांसद संतोष अहलावत, पूर्व विधायक सुभाष पूनिया, नदबई के पूर्व विधायक योगेंद्र अवाना, शहीद के भाई दशरथ सिंह, बहनें भरफाई, शर्मिला, कविता, पुत्र वियान व कियान, विशंभर पूनिया, सरजीत चौधरी, अजय चाहर, दिनेश धाभाई, सरला सैनी, बबलू अवाना, रोहितास मनकस, हरिराम गुर्जर, वर्षा सोमरा, विकास भालोठिया, सुभाष गुर्जर, योगेंद्र मिश्रा, सैन्य अधिकारी, पूर्व सैनिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

एग्रीस्टैक योजनान्तर्गत 31 जुलाई तक होंगे सेचुरेशन कैम्प आयोजित

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिले में किसानों की फार्मर आईडी बनाए जाने के लिए मंगलवार से 31 जुलाई 2025 तक प्रातः 9:30 बजे से शाम 6 बजे तक जिले की सभी तहसीलों में केवल शाहबाद तहसील को छोड़कर सेच्युरेशन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य के भू-प्रबन्ध आयुक्त, जयपुर के निर्देशानुसार एग्रीस्टैक योजनान्तर्गत यह अभियान संचालित किया जा रहा है। इस योजना के तहत पीएम किसान योजना के सक्रिय लाभार्थियों, जिनकी फार्मर रजिस्ट्री अब तक नहीं हुई है, उनका पंजीकरण किया जा रहा है। प्रत्येक 3000 लाभार्थियों पर एक शिविर का आयोजन तहसील व गिरदावर मुख्यालय स्तर पर किया जा रहा है। सेच्युरेशन कैंपों के माध्यम से पूर्व में जिन क्षेत्रों में शिविर आयोजित हो चुके हैं, वहां छूटे हुए किसानों के लिए पुनः अवसर दिया जाएगा। अद्यतन फार्मर रिक्वेस्ट के तहत अब किसानों की अन्य गांव या तहसील में स्थित भूमि को भी एग्रीस्टैक पोर्टल पर जोड़ा जा सकेगा।

विश्व युवा कौशल दिवस का शुभारंभ जिला कलक्टर ने हरी झंडी दिखाकर किया

प्रतापगढ़, (रॉयल पत्रिका)। विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में आईटीआई प्रतापगढ़ और राजस्थान कौशल एवम आजीविका विकास निगम के तत्वावधान में मंगलवार को मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि जिला कलक्टर डॉ. अंजली राजोरिया ने हरी झंडी दिखाकर प्रभात फेरी का शुभारंभ किया जो नगर परिषद से होते हुए आईटीआई परिसर तक निकाली गई। आईटीआई केम्पस में विश्व युवा कौशल दिवस पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम रंगोली प्रतियोगिता, क्विज, नृत्य, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पारितोषित एवं प्रमाण पत्र दिया गया। कार्यक्रम से सम्बंधित यह जानकारी जिला कौशल समन्वयक मोहमद हनीफ ने दी। इस अवसर पर कार्यक्रम में आईटीआई प्रतापगढ़ संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में उपनिदेशक प्रेमचंद यादव, आरएसएलडीसी संस्था प्रधान, आईटीआई स्टाफ और एमजीएनएफ फेलो एवं समस्त अधिकारी एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर अजमेर एवं बीकानेर संभाग के साथ बैठक आयोजित

-कोई पात्र मतदाता छूटे नहीं और कोई अपात्र इसमें सम्मिलित न हो-नवीन महाजन

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी समय में प्रस्तावित फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न) एवं अन्य निर्वाचन संबंधी कार्यों की तैयारियों को लेकर मंगलवार को शासन सचिवालय में मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान अजमेर एवं बीकानेर संभाग के संभागीय आयुक्त, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अधीनस्थ निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न) कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाता सूचियों का शोधन और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक अपने मताधिकार का सही तरीके से प्रयोग कर सके। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक हेल्प डेस्क स्थापित कर सुनिश्चित किया जाए कि इन हेल्प डेस्क पर नियुक्त व्यक्ति एसआईआर कार्यक्रम और उसके दिशा-निर्देशों से पूरी तरह से अवगत हों।

महाजन ने कहा कि कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक मानव संसाधनों जैसे बीएलओ, सूचना सहायक, पर्यवेक्षक आदि की समय रहते नियुक्ति कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाए। इसके अतिरिक्त, स्वयंसेवकों का चयन शीघ्र कर उन्हें भी आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि रैंडम चेकिंग के लिए विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया जाए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता बनने से वंचित न रह जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी संबंधित राजनीतिक दलों से समन्वय करते हुए बूथ लेवल एजेंट्स की नियुक्ति शीघ्र करवाई जाए। उन्होंने कहा कि पोलिंग स्टेशनों के रेशनलाइजेशन का कार्य मतदाताओं की संख्या, दूरी, पहुंच, सहूलियत और मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पूरा किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि एसआईआर कार्यक्रम की जानकारी आम मतदाताओं तक सरल एवं प्रभावी रूप से पहुंचाने के लिए आईइसी गतिविधियों का व्यापक उपयोग किया जाए।

संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह ने ग्राम गोपासरिया में सेचूरेशन कैम्प का किया निरीक्षण

-योजनाओं की क्रियान्विति, जन-जागरुकता व बैंकिंग सुविधा के सुदृढ़ीकरण पर दिया बल

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ग्राम स्तर पर आयोजित सेचूरेशन शिविरों की श्रृंखला में मंगलवार को संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह ने ग्राम गोपासरिया में आयोजित विशेष शिविर का निरीक्षण किया। इस शिविर में गोपासरिया सहित चार ग्राम पंचायतें सम्मिलित रहीं। निरीक्षण के दौरान संभागीय आयुक्त ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए उनके बैंकिंग अनुभव, योजनाओं की जानकारी तथा कैम्प से होने वाले लाभों के बारे में फीडबैक लिया। उन्होंने शिविर में विभिन्न विभागों की उपस्थिति, बैंकिंग सेवाओं की स्थिति तथा जन-जागरूकता के स्तर का अवलोकन किया।*बैंकिंग सुविधाओं में सुधार के निर्देश

निरीक्षण के दौरान बैंक सीएसपी की अनुपस्थिति पर संभागीय आयुक्त ने गहनता से जानकारी लेते हुए एलडीएम श्याम पुरोहित एवं शाखा प्रबंधक श्रीमती वनिता टाक को निर्देशित किया कि दो दिवस के भीतर पुनः शिविर आयोजित किया जाए, जिसमें पूर्ण बैंकिंग सुविधा विशेष रूप से सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही 648 अक्रियाशील खातों को चिन्हित करते हुए संभागीय आयुक्त ने निर्देश दिए कि संबंधित लाभार्थियों को आधार कार्ड और बैंक पासबुक उपलब्ध करवाकर खाते सक्रिय किए जाएं, ताकि वे सरकारी योजनाओं का समुचित लाभ ले सकें।

जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

शिविर में ग्रामीणों को प्रधानमंत्री जन धन योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना की जानकारी दी गई। संभागीय आयुक्त ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं की जानकारी सरल व सहज भाषा में प्रत्येक लाभार्थी तक पहुँचाई जाए, जिससे पात्र नागरिक योजना से जुड़ सकें।

आवासीय क्षति होने पर प्रशासनिक स्वीकृति जारी

प्रतापगढ़, (रॉयल पत्रिका)। जिले के तहसील पीपलखूंट एवं सुहागपुरा क्षेत्र में आगजनी, आकाशीय बिजली, आंधी तूफान से मकान क्षतिग्रस्त होने पर पीडितों/प्रभावितों को क्षतिपूर्ति हेतु प्रकरण उपखण्ड अधिकारी एवं तहसीलदार के अनुशंषा पर आर्थिक सहायता हेतु भिजवाये गये है। अनुशंषा के आधार पर एवं राज्य आपदा मोचन कोष और राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष के नवीन संशोधित मानदण्डो के अनुसार आवासीय क्षति होने पर क्षतिपूर्ति हेतु स्वीकृति जारी की गई है। जिला कलक्टर एवं प्रमुख जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण डॉ. अंजलि राजोरिया ने जारी प्रशासनिक स्वीकृति में बताया कि सुहागपुरा तहसील के अन्तर्गत आगजनी से झोपड़ी पूर्ण क्षतिग्रस्त होने पर सोडलपुर निवासी चोखली बाई निनामा को 8 हजार दिए गए।

डेब्यू से पहले पापा को दिखाती थी

प्रैक्टिस वीडियो, मिलती थी सलाह: शनाया कपूर

आंखों की गुस्ताखियां से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस शनाया कपूर ने बताया कि उनके माता-पिता संजय कपूर और महीप कपूर उनके सबसे सच्चे सलाहकार हैं।

इंटरव्यू में जब शनाया कपूर से पूछा गया कि उनके माता-पिता ने उनके डेब्यू पर क्या प्रतिक्रिया दी, तो उन्होंने बताया कि उनके पापा संजय कपूर हमेशा से उन्हें सही राय देने वाले इंसान हैं। जब वह अपनी फिल्म की तैयारी कर रही थीं, तो वह अपने प्रैक्टिस वीडियो पापा को दिखाती थीं। वीडियो देखने के बाद उन्होंने हर बार सीधी और साफ बात कही, जो चीज अच्छी लगी, उसकी तारीफ की, और जो सुधारने लायक थी, वो भी साफ-साफ बता दी। शनाया कपूर ने कहा, मेरे पापा मेरे सबसे सच्चे सलाहकार हैं। जब भी मैं अपनी एक्टिंग की तैयारी कर रही होती थी या कोई प्रैक्टिस वीडियो पापा को दिखाती, तो वह सीधी और सच्ची राय देते थे। कहां सुधार की जरूरत है और कौन-सी चीजें मैं और अच्छे से कर सकती हूं, वह सबकुछ बताते थे। मेरी मम्मी भी बिल्कुल साफ-साफ बात करती हैं। मेरे माता-पिता हमेशा ईमानदारी से फीडबैक देते हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि फिल्म इंडस्ट्री बहुत सख्त है, यहां किसी को आसानी से जगह नहीं मिलती, इसके लिए मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कहा, ये मौका जिंदगी में एक बार ही मिलता है और मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे यह मिला है। अब जब मुझे यह मौका मिला है, तो मैं चाहती हूं कि इसका पूरा फायदा उठाऊं। मुझे इस इंडस्ट्री में अपनी जगह खुद बनानी होगी और लोगों का प्यार और अपनापन भी खुद कमाना होगा। मेरे माता-पिता यह बात समझते हैं कि इसमें समय और बहुत मेहनत लगती है, इसलिए वे हमेशा मेरे और मेरे काम के प्रति ईमानदार रहते हैं। वे कभी-कभी कड़ी और सख्त बातें भी बोलते हैं, जो सुनना आसान नहीं होता। शनाया कपूर ने एक्टर होने की जिम्मेदारी के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, एक एक्टर होने के नाते, आपकी जिम्मेदारी दर्शकों के प्रति होती है और जब आप कैमरे के सामने होते हैं, तो आपको ईमानदारी से अपना बेस्ट देना होता है। ऐसा कुछ पाना आशीर्वाद की तरह होता है, क्योंकि जो काम आप कैमरे के सामने करते हैं, वह हमेशा के लिए रिकॉर्ड होता है। कई बार जब कोई सीन खत्म होता है, तो यह सोचकर अजीब और बहुत खास महसूस होता है कि जो मैंने अभी किया, वह हमेशा के लिए कैमरे में कैद हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि इसी वजह से उनके माता-पिता हमेशा उनके साथ ईमानदार रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मैं उनके इस ईमानदार रवैये के लिए दिल से शुक्रगुजार हूं।

ईशा कोप्पिकर ने साझा की मानसिक स्वास्थ्य और शोहरत के पीछे छुपे मानसिक दबाव की कहानी

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर, जिन्हें क्या कूल हैं हम, कृष्णा कॉटेज, एक विवाह ऐसा भी, शबरी और डॉन जैसी फिल्मों में उनके यादगार किरदारों के लिए जाना जाता है, हाल ही में मानसिक स्वास्थ्य की प्रमुख पक्षधर बनकर उभरी हैं। फिल्म इंडस्ट्री में अपने उतार-चढ़ाव भरे सफर से सबक लेते हुए, वह आत्म-मूल्य, इंटेंसिटी और भावनात्मक कल्याण को लेकर खुले संवाद को प्रोत्साहित कर रही हैं। एक ऐसी दुनिया में जहाँ चकाचौंध अक्सर गहरे निजी संघर्षों को छुपा देती है, उनकी ईमानदारी ताजगी भरी और बेहद ज़रूरी है। ईशा ने बताया, प्रसिद्धि दोधारी तलवार की तरह होती है। एक तरफ आपको सराहना और सफलता मिलती है, लेकिन दूसरी तरफ़, ऐसी उम्मीदों पर खरा उतरने का लगातार दबाव रहता है जो हमेशा वास्तविक नहीं होतीं। उन्होंने स्वीकार किया, आपसे उम्मीद की जाती है कि आप मुस्कराते रहें, चाहे अंदर से टूटे हुए हों।

लंबे समय तक मुझे यह नहीं पता था कि 'मैं ठीक नहीं हूँ' कहना भी एक विकल्प है। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में और लोगों को यह सुनने की ज़रूरत है कि कभी-कभी खुद को थका हुआ या हारा हुआ महसूस करना भी इंसानी बात है – और यह ज़रूरी नहीं कि आप चुप रहकर सब कुछ सहें। लगातार परफॉर्म करने, हर समय परफेक्ट दिखने और प्रासंगिक बने रहने का दबाव मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालता है – फिर भी बहुत कम लोग इस बारे में खुलकर बात करते हैं। ईशा का यह कदम इन पुराने और हानिकारक सोचों को चुनौती दे रहा है जो भावनात्मक कमज़ोरी को कमजोरी समझते हैं। उनका यह सशक्त संदेश उन सभी लोगों के लिए है जो चुपचाप संघर्ष कर रहे हैं। आप जैसे हैं, वैसे ही पर्याप्त हैं।

यह एक साधारण सच है जिसे हम में से कई लोग भूल जाते हैं, खासकर उस दुनिया में जहाँ हर चीज़ को फ़िल्टर और परफेक्शन के नाम पर सजाया-संवारा जाता है। ईशा कोप्पिकर के ये ईमानदार विचार मनोरंजन जगत में सफलता, मजबूती और आत्म-देखभाल के प्रति नज़रिए को नया रूप देने में मदद कर रही हैं। ऐसे समय में जब सोशल मीडिया अक्सर असुरक्षा और अवास्तविक उम्मीदों को बढ़ावा देता है, उनका संदेश दिल को छू जाता है।

राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' में शिव राजकुमार हुए शामिल

बुची बाबू सना के निर्देशन में बन रही बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म पेद्दी के निर्माताओं ने शनिवार को कन्नड़ सुपरस्टार शिव राजकुमार को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है। इसके साथ ही फिल्म में उनके किरदार के नाम और लुक का खुलासा किया है। आपको बताते चलें कि पेद्दी में मुख्य भूमिका में राम चरण नजर आएंगे। पेद्दी के निर्माताओं ने अभिनेता को बर्थडे का खास तोहफा देते हुए उनके लुक को रिवील किया है। पेद्दी फिल्म के प्रोडक्शन हाउस वृद्धि सिनेमाज ने अपने एक्स अकाउंट पर अभिनेता के लुक को जारी करते हुए कैप्शन दिया, 'टीम 'पेद्दी' शिव राजकुमार को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देती है। इसके साथ वह फिल्म में गौरनायडू के किरदार में बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी करेंगे।'

अब रोमांटिक फिल्मों के मौके कम मिलते हैं

अभिनेता आर. माधवन की हाल ही में रोमांटिक फिल्म आप जैसा कोई रिलीज हुई, जिसमें उन्होंने संस्कृत के टीचर श्रीरेणु त्रिपाठी का किरदार निभाया। माधवन ने बताया कि कैसे समय के साथ अब रोमांटिक फिल्मों में काम करने के अवसर कम होते जा रहे हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए माधवन ने बताया कि उन्हें इसमें क्या खास लगा।

उन्होंने कहा, मैंने इस फिल्म को इसलिए नहीं चुना कि मैं रोमांटिक फिल्मों में वापसी कर लूं, बल्कि इसलिए चुना क्योंकि इसकी कहानी दिलचस्प थी, मेरी उम्र के हिसाब से थी और आज के समय से जुड़ी थी। लव स्टोरी में अभिनय करने के बहुत कम मौके बचे हैं और ऐसे मौके और भी कम होते हैं जो सच्चे और असली लगें। फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ काम करने के बारे में उन्होंने कहा, फातिमा बेहद टैलेंटेड कलाकार हैं। वो बहुत ही प्यारी हैं, और मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। उन्हें जानने के लिए शूटिंग का समय सच में बहुत कम था। इससे पहले फातिमा सना शेख ने भी फिल्म में माधवन के साथ काम करने को लेकर अपना अनुभव साझा किया था। उन्होंने कहा था, मैं आर. माधवन की बहुत बड़ी फैन रही हूं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका पाकर बेहद खुशी हो रही है। वह बहुत ही समझदार और होशियार हैं। मैंने सेट पर हर दिन उनसे कुछ नया सीखा है। आप जैसा कोई फिल्म में आर. माधवन और फातिमा सना शेख के अलावा, आयशा रजा, मनीष चौधरी और नमित दास भी अहम रोल में हैं। फिल्म की कहानी दो ऐसे लोगों की है, जो बिल्कुल अलग-अलग दुनिया से आए हैं। कहानी की शुरुआत होती है, जमशेदपुर के एक संस्कृत शिक्षक श्रीरेणु त्रिपाठी से, जो 42 की उम्र में भी अविवाहित हैं और खुद को समझदार और शांत स्वभाव का मानते हैं, लेकिन भीतर ही भीतर अकेलेपन से जूझ रहे हैं। इस अकेलेपन से बाहर निकलने के लिए वह एक ऑनलाइन चैटिंग ऐप का सहारा लेते हैं, जहां उनकी मुलाकात कोलकाता की एक आत्मनिर्भर और खुले विचारों वाली फ्रेंच टीचर मधु बोस से होती है। मधु का किरदार फातिमा सना शेख ने निभाया है।

मधु का जीवन श्रीरेणु से बिल्कुल अलग है, वह रिश्तों में कई बार टूटी है, लेकिन हर बार और मजबूत बनकर उभरी है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे अलग सामाजिक सोच और जीवनशैली के बावजूद दो इंसान एक-दूसरे के करीब आते हैं। दोनों की पसंद-नापसंद अलग होते हुए भी भावनात्मक रूप से जुड़ते हैं, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, उनके बीच की वैचारिक दूरियां उभरने लगती हैं। यही टकराव फिल्म को गहराई देता है।

सार्थक प्रतिनिधित्व पर जियोर्जिया एंड्रियानी ने की बात

हाल ही में अभिनेत्री जियोर्जिया एंड्रियानी ने सिनेमा में महिलाओं के चित्रण विशेष रूप से भारतीय फिल्मों के सदाबहार डांस नंबर्स को लेकर एक महत्वपूर्ण चर्चा की शुरुआत की है। अपने काम के प्रति विचारशील दृष्टिकोण के लिए जानी जाने वाली जियोर्जिया ने यह स्पष्ट किया कि

नारीत्व का उत्सव मनाना और महिलाओं को केवल आकर्षण का साधन बनाना, दोनों में बुनियादी अंतर है। उनके विचारों ने यह उजागर किया कि फिल्म इंडस्ट्री किस तरह मनोरंजन और महिलाओं के प्रति सम्मानजनक प्रस्तुति के बीच संतुलन बना सकती है। डांस सीक्वेंस और सिनेमा में महिलाओं की भूमिका पर खुलकर बोलते हुए जियोर्जिया ने एक संतुलित और सूक्ष्म नजरिया पेश किया। जिसने इस मुद्दे की जटिलता को स्वीकार किया। उन्होंने बताया, एक सीन को किस सोच के साथ गढ़ा गया है और उसे कैसे जीवंत किया गया है, यही सबसे अहम होता है।

जब सही तरीके से किया जाए, तो डांस नंबर्स बेहद सशक्त हो सकते हैं और महिलाओं की खूबसूरती, आत्मविश्वास और ताकत का उत्सव बन सकते हैं। मैं ऐसे प्रोजेक्ट्स की ओर आकर्षित होती हूँ जो किसी महिला के केवल शारीरिक रूप-रंग के बजाय उसकी आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास को उजागर करते हैं। उनकी यह सोच इस बात पर ज़ोर देती है कि दर्शकों को स्क्रीन पर सिर्फ़ जो दिखता है, उससे आगे जाकर यह भी समझना ज़रूरी है कि उस रचनात्मक निर्णय के पीछे का उद्देश्य और संदेश क्या है। अभिनेत्री ने महिलाओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करते हुए कलात्मक अखंडता बनाए रखने वाली परियोजनाओं का हिस्सा बनने की अपनी प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया।

बिहाइंड द सीन्स राहु केतु के रिहर्सल में पुलकित सम्राट का रहस्यमय खुलासा?

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट ने अपनी आगामी फिल्म राहु केतु की डांस रिहर्सल से जुड़ी एक अनूठी झलक साझा कर एक बार फिर अपने अभिनय के प्रति गहरे समर्पण

को साबित किया है। इस बीटीएस (बिहाइंड द सीन्स) वीडियो में पुलकित एक बिल्कुल अलग अंदाज़ में नजर आ रहे हैं - ढीली पोल्का-डॉट धोती पैंट और स्लीवलेस काली टी-शर्ट में, उनकी हर हलचल में एक कच्ची, सच्ची और जोशीली ऊर्जा दिखती है, जो सीधे दिल को छूती है। इस वीडियो के साथ पुलकित ने एक बेहद दिल छू लेने वाला और रहस्यमय कैप्शन लिखा है, जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। उन्होंने लिखा, रिहर्सल~ वो अजीब सी जगह, जहां बुरे और बेहतरीन के बीच का फर्क धुंधला हो जाता है। यह वाक्य एक कलाकार की उस नाजुक और सच्ची अवस्था को दर्शाता है, जहाँ वे अपनी कला को निखारने के लिए खुद को पूरी तरह झोंक देते हैं। यह वह जगह है जहाँ खामियां दूर होती हैं और प्रतिभा चमकती है, जहाँ अभ्यास और सुधार एक-दूसरे में घुल-मिल जाते हैं।

पुलकित सम्राट, जो अपने हर किरदार में पूरी तरह डूब जाने के लिए जाने जाते हैं, उनका यह बयान याद दिलाता है कि किसी भी कला को निखारने के लिए की गई तैयारी केवल चमक-दमक या ग्लैमर से भरी नहीं होती। इसमें अथक पसीना बहाना, अनवरत संघर्ष और अपने आप को कला के प्रति पूरी तरह समर्पित कर देना शामिल होता है। यह एक कलाकार की आंतरिक यात्रा है, जहाँ वे अपनी सीमाओं को तोड़ते हैं और कुछ असाधारण बनाने के लिए जूझते हैं। यह खामोशी और एकाग्रता का एक अजीब मिश्रण है, जहाँ कलाकार अपने सबसे कच्चे रूप में होता है। उनकी आगामी फिल्म राहु केतु के नाम से ही द्वैत और आंतरिक संघर्ष जैसे गहरे विषयों की झलक मिलती है। पर्दे के पीछे पुलकित की यह गहन मेहनत पहले से ही लोगों की दिलचस्पी बढ़ा रही है कि वह इस फिल्म में किस तरह के जटिल किरदार को पर्दे पर जीवंत करेंगे। उनकी यह प्रतिबद्धता दर्शकों में फिल्म के प्रति उत्सुकता पैदा कर रही है।

फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी से जुड़े जैकी श्रॉफ

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे अपकमिंग फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में एक साथ काम कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग जारी है। ऐसे में अब इस फिल्म से जाने माने अभिनेता जैकी श्रॉफ भी जुड़ गए हैं। इसकी जानकारी कार्तिक आर्यन ने खुद अपनी एक इंस्टाग्राम पोस्ट से दी है।

कार्तिक आर्यन ने शेयर किया वीडियो

कार्तिक आर्यन ने एक वीडियो के जरिए बताया है कि उनकी फिल्म में जैकी श्रॉफ की एंट्री हुई है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर सेट से एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कार्तिक और जैकी एक गाने पर मजे कर रहे हैं। जैकी श्रॉफ ने टोपी और चश्मा लगाया है। वह दर्शकों को फ्लाइंग किस दे रहे हैं।

मेकर्स ने शेयर किया पहला लुक

इससे पहले फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म के सेट से कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे का पहला लुक जारी किया था। पोस्टर में नजर आ रहा था कि दोनों ने अपने हाथ में पासपोर्ट लिया हुआ था और समुद्र के किनारे एक दूसरे को किस कर रहे थे। पोस्टर से लग रहा था कि यह फिल्म रोमांटिक होने वाली है।

फिल्म के बारे में

फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी वैलेंटाइन डे के मौके पर 13 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है। इसकी कहानी अभी गुप्त रखी गई है। समीर विद्वांस द्वारा निर्देशित यह फिल्म, कार्तिक आर्यन और समीर विद्वांस की दूसरी फिल्म है। इससे पहले उन्होंने सत्यप्रेम की कथा में काम किया था।

कार्तिक और जैकी का काम

आने वाले महीनों में, कार्तिक फुकरे फेम निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा द्वारा निर्देशित नागजिला में भी नजर आएंगे। नागजिला 14 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

दूसरी ओर, जैकी श्रॉफ जल्द ही अनुपम खेर द्वारा निर्देशित तन्वी द ग्रेट में नजर आएंगे। यह फिल्म 18 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पवन कल्याण की हरि हर वीर मल्लु को सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी

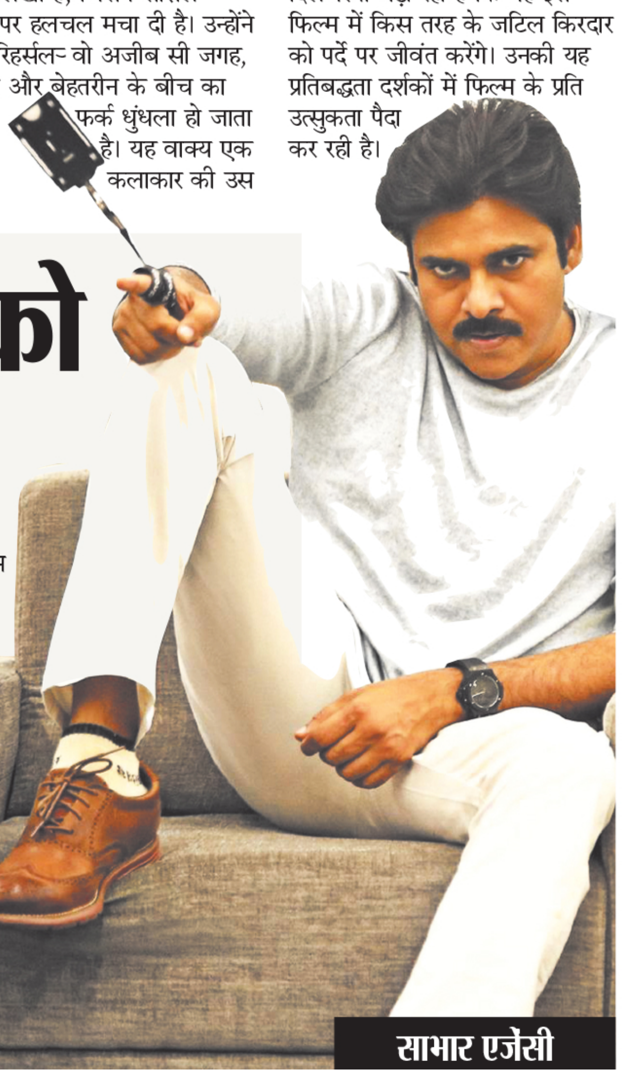

अभिनेता पवन कल्याण की फिल्म हरि हर वीर मल्लु का दर्शकों को इसका बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म इसी महीने सिनेमाघरों में लगने वाली है। दर्शकों तक पहुंचने में इसे सिर्फ दस दिन शेष हैं। फिल्म को लेकर जबर्दस्त बज बना हुआ है।

सेंसर बोर्ड ने की फिल्म की तारीफ

तेलुगु 123 की रिपोर्ट के मुताबिक सेंसर बोर्ड ने कथित तौर पर इस फिल्म की मनोरंजक कहानी और भव्य दृश्यों की तारीफ की है। हरि हर वीर मल्लु का रनटाइम दो घंटे 42 मिनट है। इस अवधि में यह फिल्म दर्शकों को शानदार मनोरंजन का अनुभव देगी।

क्या है फिल्म की कहानी?

इस फिल्म का निर्देशन कृष जगरलामुदी और एएम ज्योति कृष्णा ने किया है। कहानी 17वीं सदी के मुगल काल में वीर मल्लु नाम के एक विद्रोही डाकू के जीवन पर आधारित है। पवन कल्याण फिल्म में लीड रोल कर रहे हैं। इसके अलावा बॉबी देओल, निधि अग्रवाल, वेनेला किशोर, सुनील, सत्यराज और पूजिता पोन्नदा जैसे कलाकार भी फिल्म में अहम भूमिकाएं निभा रहे हैं। फिल्म का संगीत एम.एम. कीरवानी ने दिया है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

इस फिल्म का 20 जुलाई को एक प्री-रिलीज कार्यक्रम भव्य स्तर पर होने वाला है। पवन कल्याण की इस फिल्म को लेकर सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि इंटरनेशनल स्तर पर क्रेज है। फिल्म की एडवांस बुकिंग संयुक्त राज्य अमेरिका में शुरू हो चुकी है। यह फिल्म तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी। फिल्म में एक्शन के साथ-साथ इमोशन और ड्रामा का तड़का है। यह फिल्म 24 जुलाई, 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि फिल्म पहले मई में रिलीज होने वाली थी। फिर रिलीज डेट 25 जून तय हुई, मगर यह जून में रिलीज नहीं हो सकी।

साभार एजेंसी

114 वर्षीय एथलीट फौजा सिंह की सड़क दुर्घटना में मौत, पीएम मोदी ने जताया दुख

जालंधर, एजेंसी। जाने-माने मैराथन धावक फौजा सिंह की एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक घातक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। यह हादसा दोपहर में जालंधर के पास फौजा के गृहग्राम ब्यास पिंड में हुआ। वह 114 वर्ष के थे। उनकी मौत पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख प्रगट किया है। जानकारी के अनुसार 14 जुलाई दोपहर करीब 3:30 बजे सड़क पार करते समय सिंह को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। बाद में एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। उन्हें प्यार से टर्बन्ड टॉरनेडोकहा जाता था और उनका जन्म 1 अप्रैल, 1911 को जालंधर में हुआ था। फौजा ने 89 वर्ष की आयु में मैराथन दौड़ना शुरू करके वैश्विक ख्याति प्राप्त की। उन्होंने 100 वर्ष की आयु में 2011 टोरंटो वाटरफ्रंट मैराथन पूरी करके पूर्ण मैराथन पूरी करने वाले सबसे वृद्ध व्यक्ति होने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कई आयु-वर्ग के रिकॉर्ड तोड़े और 101 वर्ष की आयु तक प्रतिस्पर्धात्मक रूप से दौड़ते रहे।

पीएम मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फौजा सिंह की मौत पर एक्स पर लिखा, फौजा सिंह जी अपने अद्वितीय व्यक्तित्व और फिटनेस जैसे महत्वपूर्ण विषय पर भारत के युवाओं को प्रेरित करने के अपने तरीके के कारण असाधारण थे। वह अविश्वसनीय दृढ़ संकल्प वाले एक असाधारण एथलीट थे। उनके निधन से दुःख हुआ। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और दुनिया भर में उनके अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में बाप के बाद अब बेटा मचाएगा गदर

ट्रिपल एच कर रहे खास अंधा सपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई में बाप-बेटों की जोड़ियों में हमेशा से कमाल किया है। रे मिस्टीरियो और डोमिनिक मिस्टीरियो इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। इसी तरह डब्ल्यूडब्ल्यूई के फैंस के लिए एक बड़ी खबर है। बिल गोल्डबर्ग के बेटे, गेज गोल्डबर्ग, भी डब्ल्यूडब्ल्यूई में आ सकते हैं। ट्रिपल एच, जो डब्ल्यूडब्ल्यूई के चीफ कंटेंट ऑफिसर हैं। उन्होंने गेज के भविष्य के बारे में बात की है। उन्होंने 14 जुलाई, 2025 को डब्ल्यूडब्ल्यूई इवोल्यूशन के एक कार्यक्रम में यह बात कही। ट्रिपल एच का मानना है कि गेज को रेसलिंग में दिलचस्पी हो सकती है। अगर गेज का फुटबॉल करियर सफल नहीं होता है, तो वह डब्ल्यूडब्ल्यूई में खेल सकते हैं। गेज ने अपने पिता का आखिरी मैच गुंथर के खिलाफ 13 जुलाई, 2025 को सैटरडे नाइट मेन इवेंट में देखा था। ट्रिपल एच ने कहा कि गेज को रेसलिंग के प्रति जुनून है।

फैन यह जानकर उत्साहित हैं कि गेज ने रेसलिंग को एक विकल्प के रूप में सोचा है। गेज का पहले भी डब्ल्यूडब्ल्यूई से नाता रहा है। 2021 में बॉबी लैश्ले के साथ उनकी बहस हुई थी। ट्रिपल एच ने कहा कि डब्ल्यूडब्ल्यूई गेज पर नजर रख रहा है। अगर गेज रेसलिंग में आना चाहते हैं, तो डब्ल्यूडब्ल्यूई उनका स्वागत करेगा। फैंस यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि क्या वह अपने पिता के नक्शेकदम पर चलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से जीती सीरीज

वेस्टइंडीज के नाम टेस्ट इतिहास का दूसरा न्यूनतम स्कोर

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज की टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला 176 रन से गंवा बैठी। जमैका में मेजबान टीम को जीत के लिए महज 204 रन का टारगेट मिला था, जिसके जवाब में वेस्टइंडीज सिर्फ 27 रन पर ऑलआउट हो गई। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। यह टेस्ट इतिहास का दूसरा न्यूनतम स्कोर है।

इससे पहले, मार्च 1955 में न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड के खिलाफ 26 रन पर ढेर हो चुकी है। बात अगर वेस्टइंडीज की करें, तो इससे पहले यह टीम मार्च 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ सिर्फ 47 रन पर सिमट चुकी है। वेस्टइंडीज की इस पारी में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने हैट्रिक चटकाई। उन्होंने 14वें ओवर की शुरुआती तीन गेंदों पर जस्टिन ग्रीव्स, शमर जोसेफ और जोमेल वारिकन को

अपना शिकार बनाया। इसी के साथ स्कॉट बोलैंड टेस्ट में हैट्रिक लेने वाले 10वें ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन गए। वह पिंक बॉल टेस्ट में हैट्रिक लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज हैं। मुकाबले की बात करें, तो टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम महज 225 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में वेस्टइंडीज अपनी पहली पारी में महज 143 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी दूसरी पारी में महज 121 रन ही जुटा सकी। वेस्टइंडीज की ओर से इस पारी में शमर जोसेफ ने चार विकेट अपने नाम किए, जबकि अल्जारी जोसेफ को पांच विकेट हाथ लगे। सिर्फ 204 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम 27 रन ही बना सकी।

इस पारी में जस्टिन ग्रीव्स दहाई का आंकड़ा छूने वाले इकलौते बल्लेबाज रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से इस पारी में मिचेल स्टार्क ने 7.3 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें महज 9 रन देकर सर्वाधिक छह विकेट चटकाए। वहीं, स्कॉट बोलैंड ने दो ओवरों में महज दो रन देकर तीन शिकार किए। शेष एक विकेट जोश हेजलवुड के हाथ लगा।

ओलंपिक 2028: क्रिकेट का शेड्यूल आया सामने, 6 टीमें लेंगी हिस्सा, टी-20 फॉर्मेट में होगा मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक में अब क्रिकेट की वापसी तय हो गई है. इसका शेड्यूल भी सामने आ गया है. अमेरिका के लॉस एंजेलिस शहर में साल 2028 में होने वाले ओलंपिक मुकाबलों में क्रिकेट का मैच पोमोना शहर के फेयरग्राउंड्स स्टेडियम में खेला जाएगा. यह शहर लॉस एंजेलिस से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित है. यह मुकाबले 12 जुलाई से शुरू होंगे, जबकि मेडल मैच 20 और 29 जुलाई को खेले जाएंगे.

6-6 टीमें लेंगी हिस्सा: पुरुषों और महिलाओं दोनों वर्गों में कुल 6-6 टीमें भाग लेंगी और कुल 180 खिलाड़ी ञ्20 प्रारूप में इस चार-वर्षीय महाकुंभ में हिस्सा लेंगे. क्रिकेट को इससे पहले केवल एक बार, 1900 में पेरिस ओलंपिक में शामिल किया गया था. आयोजकों द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, 14 और 21 जुलाई को कोई मुकाबला नहीं होगा, जबकि अधिकतर दिनों में डबल हेडर (एक दिन में दो मैच) खेले जाएंगे.

अनिल कुंबले ने भारत की हार की तुलना चेन्नई में पाकिस्तान से हार से की

नई दिल्ली, एजेंसी। लॉर्ड्स में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के रोमांचक अंत में, इंग्लैंड ने भारत को केवल 22 रनों से हरा दिया। जियोहॉटस्टार के विशेषज्ञ अनिल कुंबले और जोनाथन ट्रॉट ने अंतिम सत्र, जडेजा के वीरतापूर्ण प्रयास और दोनों टीमों के लिए इसके महत्व पर जानकारी दी। तीसरे टेस्ट के पांचवें दिन की समाप्ति के बाद 'मैच सेंटर लाइव पर बात करते हुए जियोहॉटस्टार विशेषज्ञ अनिल कुंबले ने भारत की हार और मैच के आखिरी पलों पर टिप्पणी की, 'मुझे एक टेस्ट मैच याद आ गया जहां भारत चेन्नई में पाकिस्तान से 12 रनों से हार गया था। वह भी कुछ इसी तरह का आउट था। सिर्फ 22 रन। जडेजा नाबाद रह गए-मतलब, उनकी योजना भारत को जीत के इतने करीब पहुंचाने की थी। लेकिन इंग्लैंड अपने काम पर डटा रहा। मुझे लगता है कि जोफ्रा आर्चर के पिछले ओवर ने मोहम्मद सिराज को जरूर परेशान किया होगा। ऐसा नहीं था कि वह गेंदबाज पर हमला करना चाहते थे, लेकिन एक बेतुके पॉइंट ने दबाव बढ़ा दिया।

मुझे लगा कि यह ऐतिहासिक जीत हासिल करने का एक शानदार मौका था। लेकिन भारत के लिए यही होना चाहिए-22 रनों से हारने के बावजूद, कई सकारात्मक पहलू भी हैं। सीरीज के उत्साह पर प्रतिक्रिया देते हुए जियोहॉटस्टार विशेषज्ञ जोनाथन ट्रॉट ने कहा, 'एक बार फिर, मैच का फैसला बेहद कम अंतर से हुआ-22 रन से। हमने सिराज को सांत्वना देते देखा। हम यही देखना चाहते हैं। हमने पांच दिनों तक कड़ा मुकाबला देखा और फिर हर तरफ हाथ मिलाते हुए।

किसी एक टीम को जीतना ही था, और इस बार इंग्लैंड था। अंतिम सत्र की तीव्रता के बारे में जोनाथन ट्रॉट ने कहा, 'यह बहुत तनावपूर्ण था-नाखून चबाने वाला। मुझे यकीन नहीं है कि मेरे पास कोई नाखून बचा है! खेल का अंत करने का यह निश्चित रूप से एक दुखद तरीका है, लेकिन किसी को तो जीतना ही था। मुझे लगता है कि यह टेस्ट क्रिकेट के लिए बहुत अच्छा है-थोड़ा मसाला, मैदान पर थोड़ा रोमांच। जब तक टीमें मैदान के बाहर एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाती हैं और चौथे टेस्ट तक कोई तनाव नहीं रहता, हम ठीक हैं। वहां बहुत कड़ा मुकाबला खेला गया। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूँ कि कौन जीतता है। रवींद्र जडेजा के प्रदर्शन और दृष्टिकोण पर कुंबले ने टिप्पणी की, 'उन्हें उन गेंदबाजों की पहचान करनी चाहिए थी जिन्हें वह निशाना बना सकते थे।

जैसा कि मैंने कहा-क्रिस वोक्स, जो हवा में थोड़े धीमे हैं, और जो रूट या बशीर। हालांकि वे ऑफ-स्पिनर हैं, लेकिन ऐसा नहीं था कि गेंद सीधे घूम रही थी। जडेजा ने मुश्किल विकेटों पर मुश्किल गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ खेला है। आदर्श रूप से, अगर किसी को जोखिम उठाना ही था और आउट होना था, तो वह सिराज के बजाय जडेजा को होना चाहिए था। कुंबले ने कहा, उन्होंने स्ट्राइक हासिल करने में अच्छा प्रदर्शन किया-खासकर बुमराह और सिराज के साथ। लेकिन बशीर को पूरा ओवर देना जोखिम भरा था। तभी वह उन पर हमला कर सकते थे। उन्होंने पूरे मैच में शानदार प्रदर्शन किया। वह जल्दी आए-दिन के छठे ओवर में-और नाबाद रहे। 82/7 के स्कोर के बाद सिर्फ बुमराह और सिराज के साथ स्कोर को दोगुना करना अविश्वसनीय है। बाकी बल्लेबाज निराश होंगे-उनके पास मौके थे। साथ ही, वे अतिरिक्त रन-पहली पारी में 32 और दोनों पारियों में लगभग 65-चर्चा का एक बड़ा मुद्दा होंगे। जडेजा की पारी पर जोनाथन ट्रॉट ने कहा, 'पीछे मुड़कर देखना एक खूबसूरत चीज है। मुझे लगता है कि जडेजा ने अविश्वसनीय रूप से अच्छा खेला।

मुझे उनका जरूरत से ज्यादा विश्लेषण करने का कोई मतलब नहीं दिखता। उन्होंने खुद को और टीम को बेहतरीन तरीके से संभाला। उन्होंने संघर्ष किया, अच्छी तरह से बायीं ओर गेंद डाली, और थोड़ी किस्मत का भी साथ मिला। गेंद घूम रही थी, और हां, बशीर पर आक्रमण करने का प्रलोभन था। लेकिन अगर वह जोर लगाकर आउट हो जाते, तो हम कह रहे होते कि उन्होंने अपना विकेट फेंक दिया। मुझे लगता है कि उन्होंने बेहतरीन खेला। दूसरे बल्लेबाज शायद सोचेंगे और खुद से पूछेंगे-मैं जडेजा जैसा प्रदर्शन क्यों नहीं कर पाया जिससे हमें मौका मिल सके?

अक्टूबर में इक्वाडोर और ऑस्ट्रेलिया के साथ दोस्ताना मैच खेलेगा अमेरिका

अटलांटा, एजेंसी। अमेरिकी पुरुष फुटबॉल टीम (यूएसएमएनटी) अक्टूबर में इक्वाडोर और ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। यह दोनों टीमें वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। यह मैच फीफा वर्ल्ड कप-2026 की तैयारी के तहत खेले जाएंगे, जो अमेरिका में ही आयोजित होने वाला है। दुनिया की टॉप 25 टीमों में शामिल इन दोनों टीमों के खिलाफ होने वाले मैच अमेरिका की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए अहम मौके होंगे। यह मैच अमेरिका को वर्ल्ड कप की मजबूत टीमों से खेलने का मौका देंगे। इससे उन्हें यह समझने में मदद मिलेगी कि अगले साल वर्ल्ड कप में उन्हें किस तरह की टीमों और खेलने के तरीकों का सामना करना पड़ सकता है। इक्वाडोर पांचवीं बार वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने जा रहा है।

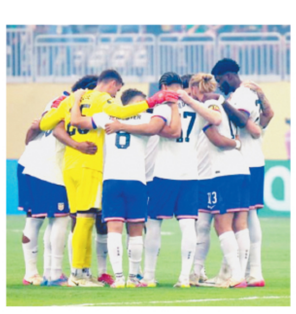

वह अर्जेंटीना और ब्राजील के साथ दक्षिण अमेरिका की उन तीन टीमों में शामिल है, जिन्होंने अब तक टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन क्वालीफायर्स के तीसरे राउंड में अपने ग्रुप में दूसरा स्थान हासिल करते हुए वर्ल्ड कप में जगह पक्की की है। ऑस्ट्रेलिया लगातार छठी बार वर्ल्ड कप में खेलेगा। अमेरिका 10 अक्टूबर को टेक्सास स्थित ऑस्टिन के क्यू2 स्टेडियम में इक्वाडोर की मेजबानी करेगा।

इक्वाडोर के खिलाफ यूएसए का रिकॉर्ड पांच जीत, पांच हार और इतने ही ड्रॉ का रहा है।

टेक्सास में खेले गए मुकाबलों में भी अमेरिका का इक्वाडोर के खिलाफ रिकॉर्ड बराबरी (1 जीत, 1 हार और 1 ड्रॉ) पर रहा है। यह मैच ह्यूस्टन, फोर्ट वर्थ और फ्रिस्को में खेले गए थे। चार दिन बाद, 14 अक्टूबर को यूएसए की टीम कोलोराडो के कॉमर्स सिटी में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। अमेरिकी टीम अब तक इतिहास में केवल तीन बार ऑस्ट्रेलिया से भिड़ी है। दोनों टीमें 1 जीत, 1 हार और 1 ड्रॉ के साथ बराबरी पर हैं।

लॉर्ड्स में गांगुली का शर्ट लहराने की यादों ने आर्चर को प्रेरित कियाः स्टोक्स

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने खुलासा किया कि भारत की 2002 में इंग्लैंड पर ऐतिहासिक जीत के बाद सौरव गांगुली द्वारा लार्ड्स की बालकनी में शर्ट लहराने की घटना ने जोफ्रा आर्चर को तीसरे टेस्ट मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। गांगुली ने नेटवेस्ट ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट के फाइनल में भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए अपनी शर्ट उतार दी थी और यह आज तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे नाटकीय क्षणों में से एक है।

आर्चर ने तीसरे टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन सोमवार को खतरनाक ऋषभ पंत को बोल्ड किया और इसके बाद वाशिंगटन सुंदर का अपनी ही गेंद पर शानदार कैच लिया। भारत इस मैच में 22 रन से हार गया था। स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, 'मैंने आज सुबह उससे कहा, तुम्हें पता है कि आज क्या है। पता है ना। उसने मुझसे

कहा, तुम्हें पता है कि उस दिन भारत ने 300 से अधिक रन बनाकर जीत हासिल की थी और गांगुली ने शर्ट लहराई थी। उसे लग रहा था कि वह विश्व कप फाइनल था और इस घटना को आज छह साल हो गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में अपनी जीत उसी दिन दर्ज की जिस दिन उसने 2019 में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में स्कोर बराबर रहने के बाद बाउंड्री काउंट-बैक के आधार पर न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत हासिल की थी। हालांकि, जब स्टोक्स ने आर्चर को छह साल पहले के उस महत्वपूर्ण दिन के बारे में याद दिलाया, तो तेज गेंदबाज को 17 साल पहले हुए गांगुली वाले पल की याद आ गई।

स्टोक्स ने कहा, 'मैं उस दिन की बात कर रहा था जब हमने विश्व कप जीता था लेकिन वह कह रहा था, ओह, वो वाला। वह वाकई कमाल का लड़का है। छोटे लक्ष्य के सामने ऋषभ पंत का विकेट वास्तव में महत्वपूर्ण था। मुझे पूरा विश्वास था कि जोफ्रा आज कुछ ऐसा करने वाला है जिससे मैच में अंतर पैदा हो जाए। चोट के बाद वापसी करने वाले स्टोक्स ने भारत पर दबाव बनाए रखने के लिए 9.2 ओवर और 10 ओवर का स्पैल पूरा किया। स्टोक्स ने कहा कि वह 23 जुलाई से मैनचेस्टर में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट के लिए फिट रहेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं मैनचेस्टर में होने वाले टेस्ट मैच के लिए पूरी तरह से फिट रहूंगा। उस मैच से पहले हमें विश्राम करने का पर्याप्त मौका मिलेगा।स्टोक्स से खेल के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हुई तीखी बहस और छींटाकशी के बारे में पूछा गया, लेकिन उन्होंने इस पर ज्यादा कुछ नहीं कहा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस तरह की बड़ी सीरीज़ में हमेशा ऐसा कोई न कोई पल जरूर आता है जब दोनों टीम के खिलाड़ी एक दूसरे से भिड़ेंगे। मुझे यह मंजूर है बशर्ते यह सीमा पार न जाए। मुझे नहीं लगता कि हमारी या भारतीय टीम ने किसी तरह से सीमा का उल्लंघन किया।

खेल जगत में एक और रिश्ता टूटा

सायना नेहवाल के बाद अब पहलवान दिव्या काकरान का तलाक

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला पहलवान दिव्या काकरान ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट के जरिए अपने तलाक की जानकारी दी। इससे पहले सायना नेहवाल और परुपल्ली कश्यप के अलग होने की खबरें सामने आ चुकी हैं। भारतीय खेल जगत में रिश्तों के टूटने की खबरें लगातार सामने आती रही हैं। सायना नेहवाल और परुपल्ली कश्यप के बाद अब मशहूर महिला पहलवान दिव्या काकरान ने अपने तलाक की बात सार्वजनिक की हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक भावुक संदेश शेयर कर अपने मन की बात रखी। दिव्या काकरान ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टा पर एक भावुक संदेश लिखी स्टोरी शेयर की। इसमें उन्होंने लिखा- नमस्ते, जैसा कि आप जानते हैं, मैं दिव्या काकरान हूं। मैं आपसे कुछ निजी बातें साझा करना चाहती थी।

मैंने हाल ही में अपने पति सचिन प्रताप सिंह से तलाक लेने का फैसला किया है। यह मेरे जीवन के भावनात्मक रूप से सबसे कठिन अध्यायों में से एक रहा है। इसमें बहुत दर्द, आत्मचिंतन और खुद को छोड़ देने का अनुभव रहा है... लेकिन साथ ही स्पष्टता, विकास और शक्ति के ऐसे पल भी आए हैं जिनके बारे में मुझे पता भी नहीं था।

यह ऐसी बात नहीं है जिसे मैं आसानी से साझा करूं, लेकिन मुझे लगा कि आपको यह बात बतानी चाहिए क्योंकि आपका समर्थन, दूर से ही सही,

मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं धीरे-धीरे ठीक हो रही हूँ और इस नई शुरुआत को पूरे सम्मान और उम्मीद के साथ अपनाना सीख रही हूं। उन्होंने आगे लिखा कभी-कभी ज़िंदगी ऐसा मोड़ ले लेती है जिसकी हमने कभी उम्मीद नहीं की थी, और मैं इस बारे में सच बोलने में विश्वास रखती हूं। मैं अभी भी ठीक हो रही हूं, अभी भी अपने पैर जमाने की कोशिश कर रही हूं, लेकिन मैं उन तरीकों से भी आगे बढ़ रही हूं जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

मैं आपके समर्थन और खासकर अपने माता-पिता और परिवार की आभारी हूँ जो मेरे जीवन के हर फैसले में हमेशा मेरा साथ देते हैं। बता दें कि दिव्या ने ये संदेश अंग्रेजी में लिखा है।

सायना नेहवाल के तलाक की खबर के बाद दूसरी बड़ी हलचल

कुछ दिन पहले ही सायना नेहवाल और परुपल्ली कश्यप के अलगाव की खबरें सामने आई थीं, जिससे उनके फैंस को झटका लगा था। अब दिव्या काकरान की पोस्ट ने एक बार फिर खेलप्रेमियों को भावुक कर दिया है।

व्यक्तिगत संघर्षों के बीच चमकता रहा दिव्या करियर

दिव्या काकरान ने कई बार मंचों पर महिला खिलाड़ियों के संघर्ष की बात उठाई है। निजी जीवन में आ रहे उतार-चढ़ाव के बावजूद उन्होंने एशियन गेम्स सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया। वहीं अब उनके तलाक की खबरों ने खेल जगत में सनसनी फैला दी है।

एससीओ को सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए तंत्र में सुधार करना चाहिए : चीनी राष्ट्रपति

» बीजिंग, भाषा।

चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने मंगलवार को एससीओ सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों से कहा कि समूह को सुरक्षा खतरों और चुनौतियों का जवाब देने के लिए तंत्र में सुधार करना चाहिए तथा एक ठोस सुरक्षा कवच तैयार करना चाहिए। विदेश मंत्री एस जयशंकर दस सदस्यीय शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के उन विदेश मंत्रियों और स्थाई निकायों के प्रमुखों में शामिल थे, जिनसे चिनफिंग ने तियानजिन में उनकी बैठक से पहले यहां मुलाकात की। राष्ट्रपति ने कहा कि अपनी स्थापना के बाद से पिछले 24 वर्षों में, एससीओ ने हमेशा शंघाई भावना को कायम रखा है, एक परिपक्व और मजबूत संगठन के रूप में विकसित हुआ है, और मजबूत जीवंतता का प्रदर्शन किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अशांत और बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के मद्देनजर, एससीओ को केंद्रित और आश्वस्त रहना चाहिए, कुशलतापूर्वक कार्य करना चाहिए तथा विश्व में अधिक स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा लाने में अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। चिनफिंग ने कहा कि चीन ने हमेशा अपनी पड़ोस कूटनीति (नेबरहुड डिप्लोमेसी) में एससीओ को प्राथमिकता दी है और संगठन को अधिक ठोस और मजबूत बनाने, क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता की रक्षा करने, सदस्य देशों के विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने और साझा भविष्य के साथ एक करीबी समुदाय बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक को लेकर जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में उनके हवाले से कहा गया कि एससीओ को सुरक्षा खतरों और चुनौतियों पर प्रतिक्रिया देने के लिए तंत्र में सुधार करना चाहिए, एक ठोस सुरक्षा कवच तैयार करना चाहिए, तथा शांति और स्थिरता के लिए जनता की अपेक्षाओं को पूरा करना चाहिए। एससीओ ने पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा और रक्षा से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (आरएटीएस) नामक एक सुरक्षा तंत्र विकसित किया है। चीन वर्तमान में एससीओ की अध्यक्षता कर रहा है। इस वर्ष चीन के तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन होना है। इस के मद्देनजर चिनफिंग ने कहा कि वह इस सम्मेलन में अन्य सदस्य देशों के नेताओं से मिलकर एससीओ के भविष्य के विकास पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और एससीओ के अन्य सदस्य देशों के नेताओं के इसमें भाग लेने की उम्मीद है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने इससे पहले तास समाचार एजेंसी को बताया था कि शिखर सम्मेलन तीस अगस्त से एक सितंबर के बीच तियानजिन में आयोजित किया जाएगा। एससीओ में दस सदस्य देश हैं, जिनमें चीन, रूस, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और बेलारूस शामिल हैं। चिनफिंग ने अमेरिका पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि संगठन को आधिपत्य, ताकत की राजनीति और धौंस-धमकी का दृढ़ता से विरोध करना चाहिए तथा एक अधिक समान और व्यवस्थित बहुध्रुवीय विश्व को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसे संयुक्त परामर्श और साझाकरण के सिद्धांतों को कायम रखना चाहिए, ताकि आर्थिक वैश्वीकरण अधिक समावेशी और सभी के लिए लाभकारी बन सके। चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि संगठन को एक अधिक न्यायसंगत और उचित वैश्विक शासन प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए ग्लोबल साउथ को एकजुट करना और उसका नेतृत्व करना चाहिए।

जयशंकर ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, एससीओ के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की

बीजिंग, भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के अपने समकक्षों से मुलाकात की। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने राष्ट्रपति शी को भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों में हाल में हुई प्रगति के बारे में अवगत कराया। विदेश मंत्री एससीओ के एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए सोमवार को दो दिवसीय यात्रा पर चीन पहुंचे। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई सैन्य झड़पों के बाद द्विपक्षीय संबंधों में तनाव पैदा हो गया था जिसके बाद जयशंकर की यह पहली चीन यात्रा है। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, आज सुबह बीजिंग में राष्ट्रपति शी चिनफिंग और एससीओ के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। विदेश मंत्री ने कहा, दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में हाल में हुई प्रगति से राष्ट्रपति शी को अवगत कराया। हम इस संबंध में हमारे नेताओं के मार्गदर्शन को महत्व देते हैं।

पाकिस्तानी विदेश मंत्री डार ने चिनफिंग से मुलाकात की, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया

लाहौर, भाषा। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसाक डार ने मंगलवार को बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ संयुक्त बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच स्थाई दोस्ती को गहरा करने और साझा क्षेत्रीय लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की इस्लामाबाद की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। डार दस सदस्यीय शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के उन विदेश मंत्रियों और स्थाई निकाय प्रमुखों में शामिल थे, जिनसे चिनफिंग ने तियानजिन में होने वाली उनकी बैठक से पहले मुलाकात की। डार ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपुल में चिनफिंग से मिलकर खुश हैं और उन्होंने चीनी राष्ट्रपति को पाकिस्तान सरकार और लोगों की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा,अडिग भाइयों और सदाबहार रणनीतिक साझेदारों के रूप में हम चीन-पाकिस्तान के बीच स्थाई दोस्ती को गहरा करने और साझा क्षेत्रीय लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अल्बनीज़ इस समय एक सप्ताह की चीन यात्रा पर

व्यापार बढ़ाने को तैयार ऑस्ट्रेलिया-चीन, रणनीतिक मतभेदों के बावजूद हाथ मिलाया

» बीजिंग, भाषा।

ऑस्ट्रेलिया और चीन के शीर्ष नेताओं ने मंगलवार को राजधानी बीजिंग में हुई वार्ता के दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा और मानवाधिकारों पर मतभेदों के बावजूद व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने पर सहमति जताई। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ से कहा कि मतभेदों को दरकिनार करते हुए समानता के बिंदुओं की तलाश करना हमारे दोनों देशों और दोनों जनता के मूल हितों के अनुरूप है। प्रधानमंत्री अल्बनीज़ ने शी की बात से सहमति जताते हुए कहा, यह दृष्टिकोण वास्तव में ऑस्ट्रेलिया और चीन दोनों के लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आया है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के कई अन्य देशों की तरह ऑस्ट्रेलिया भी अमेरिका और चीन की प्रतिद्वन्द्विता के बीच संतुलन बनाने के लिए प्रयासरत है। जहां उसकी अर्थव्यवस्था काफी हद तक चीन को इस्पात उद्योग के लिए लोहे के अयस्क सहित निर्यात पर निर्भर है, वहीं वह चीन के मानवाधिकार रिकॉर्ड और प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती सैन्य गतिविधियों को लेकर अमेरिकी चिंताओं को भी साझा करता है।

प्रधानमंत्री अल्बनीज़ ने 2022 में सत्ता में आने के बाद से चीन के साथ संबंध सुधारने की कोशिशें की हैं।

शंघाई में सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा, हमारी हर चार में से एक नौकरी व्यापार पर निर्भर है। उन्होंने यह भी बताया कि ऑस्ट्रेलिया ने व्यापार को विविध बनाने के लिए इंडोनेशिया और सिंगापुर जैसे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ संबंध मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया है। अल्बनीज़ इस समय एक सप्ताह की चीन यात्रा पर हैं। उनकी यात्रा की शुरुआत चीन की वाणिज्यिक राजधानी शंघाई से हुई, जहां दोनों देशों के सरकारी और व्यापारिक प्रतिनिधियों के बीच पर्यटन को बढ़ावा देने और लौह अयस्क खनन व इस्पात उत्पादन में कार्बन उत्सर्जन कम करने पर सहयोग को लेकर चर्चा हुई।

नैसकॉम ने भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी संबंधों को बढ़ावा देने के लिए यूएस सीईओ फोरम की शुरुआत की

» न्यूयॉर्क, भाषा।

उद्योग संगठन नैसकॉम ने भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी सहयोग को गहरा करने और वैश्विक डिजिटल बदलाव एवं समावेशी आर्थिक वृद्धि के आधार के रूप में द्विपक्षीय प्रौद्योगिकी गलियारे को मजबूत करने के वास्ते एक विशेष मंच शुरू किया है। नैसकॉम यूएस सीईओ फोरम की शुरुआत पिछले सप्ताह न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में की गई। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी सेवा एवं परामर्श कंपनी कॉग्निजेंट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रवि कुमार को मंच का प्रमुख नियुक्त किया गया है, जबकि एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक अमित चड्ढा सह-अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे। उद्योग मंडल ने बयान में कहा, एक प्रमुख नेतृत्व मंच के रूप में परिकल्पित नैसकॉम यूएस सीईओ फोरम का मकसद भारत और अमेरिका के बीच प्रौद्योगिकी एवं नवाचार साझेदारी को आगे बढ़ाना है, जो दुनिया के सबसे प्रगतिशील द्विपक्षीय संबंधों में से एक है।

यह मंच अग्रणी भारतीय प्रौद्योगिकी के सीईओ और प्रमुख अमेरिकी हितधारकों को नवाचार, उद्यम, नीति एवं प्रतिभा विकास के क्षेत्र में रणनीतिक संवाद को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ लाएगा। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने बयान में कहा कि इस मंच का निर्माण सही समय पर किया गया है और इसमें

भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी साझेदारी एवं नवाचार, प्रतिभा व वैश्विक नेतृत्व के भविष्य के लिए एक बल गुणक के रूप में काम करने की क्षमता है। नैसकॉम के अध्यक्ष राजेश नांबियार ने कहा कि यूएस सीईओ फोरम उद्योग जगत के लोगों को सार्थक सहयोग को बढ़ावा देने, प्रमुख हितधारकों के साथ तालमेल बनाने तथा नवाचार, प्रतिभा एवं निवेश में नई संभावनाओं की तलाश करने के वास्ते एक साथ लाता है। बयान में कहा गया कि यह मंच भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी साझेदारी को सहयोग से सह-निर्माण की ओर आगे बढ़ाने.. एआई, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ प्रौद्योगिकी एवं भविष्य के कौशल की परिवर्तनकारी क्षमता को उजागर करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। यह सीमा पार साझेदारियों को मजबूत व सुरक्षित बनाने और नवाचार-आधारित डिजिटल परिवेश का निर्माण करने पर भी ध्यान देगा।

चीन में एच20 एआई कंप्यूटर चिप की आपूर्ति जल्द शुरू होने की उम्मीद : एनवीडिया सीईओ

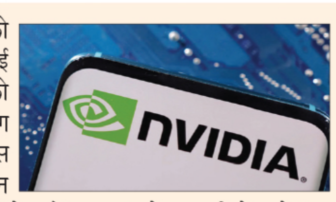

बीजिंग, भाषा। एनवीडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेन्सेन हुआंग ने कहा कि उनकी कंपनी को अपने उन्नत एच20 एआई (कृत्रिम मेधा) कंप्यूटर चिप चीन को बेचने के लिए अमेरिकी प्रशासन से मंजूरी मिल गई है। हुआंग ने सोमवार देर रात कंपनी के ब्लॉग में यह जानकारी दी। इसमें कहा गया, अमेरिका सरकार ने एनवीडिया को आश्वासन दिया है कि लाइसेंस प्रदान किए जाएंगे और कंपनी को आपूर्ति जल्द शुरू करने की उम्मीद है। हुआंग ने बीजिंग में पत्रकारों से कहा, आज, मैं घोषणा कर रहा हूं कि अमेरिकी सरकार ने एच20 की आपूर्ति शुरू करने के लिए लाइसेंस आवेदन को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा, दुनिया के सबसे अधिक एआई शोधकर्ता चीन में हैं। चीन में यह इतना नवीन और गतिशील है कि बेहद जरूरी हो जाता है कि अमेरिकी कंपनियां, चीन में प्रतिस्पर्धा करें और बाजार में अपनी सेवाएं दे सकें। हुआंग ने हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य अमेरिकी नीति-निर्माताओं से मुलाकात की थी। इस सप्ताह वे आपूर्ति श्रृंखला सम्मेलन में हिस्सा लेने और चीनी अधिकारियों से वार्ता करने के लिए बीजिंग में हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने अप्रैल में घोषणा की थी कि वह चीन को एनवीडिया के एच20 चिप और एएमडी के एमआई308 चिप की बिक्री पर प्रतिबंध लगाएगा। एनवीडिया के अनुसार, कड़े निर्यात नियंत्रण से कंपनी को 5.5 अरब अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त नुकसान हो सकता है। हुआंग और अन्य प्रौद्योगिकी क्षेत्र के दिग्गज अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर इन प्रतिबंधों को हटाने के लिए दबाव डाल रहे हैं। उनका तर्क है कि इस तरह की पाबंदियां दुनिया के सबसे बड़े प्रौद्योगिकी बाजारों में से एक में अमेरिकी प्रतिस्पर्धा में बाधा उत्पन्न करती हैं।

न्यूज ब्रीफ

पिछले साल 1.4 करोड़ बच्चों को एक भी टीका नहीं लगा : संयुक्त राष्ट्र

» लंदन, भाषा।

दुनियाभर में पिछले साल 1.4 करोड़ से अधिक बच्चों को एक भी टीका नहीं लगा जो 2023 की संख्या के लगभग बराबर है। इन बच्चों में से आधे से ज्यादा भारत समेत नौ देशों से हैं। संयुक्त राष्ट्र के स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वैश्विक टीकाकरण के संबंध में मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ ने बताया कि 2024 में एक वर्ष से कम उम्र के लगभग 89 प्रतिशत बच्चों को डिप्थीरिया, टेटनस और काली खांसी के टीके की पहली खुराक मिली जो 2023 के बराबर है। इसने कहा कि लगभग 85 प्रतिशत बच्चों ने ही इन टीकों की तीनों खुराक लीं, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 84 प्रतिशत था।

संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने कहा कि टीकाकरण अब भी आसान नहीं है और संघर्ष व मानवीय संकटों के कारण टीकाकरण में हुई प्रगति तुरंत ही कमजोर पड़ने लग जाती है। उन्होंने बताया कि डिप्थीरिया, टेटनस और काली खांसी के खिलाफ सबसे कम टीकाकरण सूडान में हुआ। आंकड़ों के अनुसार टीकाकरण से वंचित बच्चों में से 52 प्रतिशत केवल नौ देशों- नाइजीरिया, भारत, सूडान, कांगो, इथियोपिया, इंडोनेशिया, यमन, अफगानिस्तान और अंगोला से थे। डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ ने कहा कि खसरे के खिलाफ टीककारण में थोड़ी वृद्धि हुई है, दुनियाभर में 76 प्रतिशत बच्चों को दोनों टीके लग चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों के अनुसार टीकाकरण से हर साल 35 लाख से 50 लाख मौतें रोकने में मदद मिलती है।

बहुपक्षवाद के मुद्दों को हल करना जी20 की जिम्मेदारी :दक्षिण-अफ्रीका के वरिष्ठ अधिकारी

» जोहानिसबर्ग, भाषा।

दक्षिण अफ्रीका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि जी20 सदस्यों की यह जिम्मेदारी है कि वे वैश्विक सुधार सुनिश्चित करने तथा समावेशी एवं सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए बहुपक्षीय व्यवस्था की चुनौतियों का समाधान करें। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रीय कोष के महानिदेशक डॉ. डंकन पीटरस ने सोमवार को जी20 के फाइनैंस ट्रैक की बैठक में संगठन के सदस्य देशों के वरिष्ठ वित्त प्रमुखों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।उन्होंने कहा, बहुपक्षीय व्यवस्था का परीक्षण हो रहा है और प्रतिक्रिया देने की हमारी सामूहिक क्षमता न केवल हमारी सुधार की गति को आकार देगी, बल्कि समावेशी और सतत विकास की संभावनाओं को भी आकार देगी।

जी20 के रूप में नेतृत्व का प्रदर्शन करना हमारी जिम्मेदारी है। दक्षिण अफ्रीका के क्वाजुलु-नटाल प्रांत में आयोजित यह बैठक देश द्वारा आयोजित कई बैठकों में से एक है। दक्षिण अफ्रीका इस वर्ष जी20 की अध्यक्षता कर रहा है, जो नवंबर में होने वाले जी20 राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन से पहले हो रहा है। पीटरसे ने कहा, हम वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी अनिश्चितता के दौर में मिल रहे हैं। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में लचीलेपन के संकेत हैं, फिर भी कई चुनौतियां बनी हुई हैं जैसे कि असमान विकास पथ, उच्च ऋण स्तर, लगातार मुद्रास्फीति का दबाव और सख्त वित्तीय स्थितियों के जटिल परिणाम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों के साथ डिजिटलीकरण, जलवायु वित्त और जनसांख्यिकीय बदलावों सहित विभिन्न दीर्घकालिक बदलाव वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की नींव को नया आकार दे रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा द्वारा ठोस समाधान प्रदान करने में जी20 की भूमिका को मजबूत करने पर जोर दिए जाने को दोहराया। इन समाधानों का उद्देश्य एक अधिक स्थिर, प्रभावी और लचीली अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना को बढ़ावा देना, ऋण स्थिरता को बढ़ाना, तरलता संबंधी चुनौतियों का समाधान करने के साथ बहुपक्षीय विकास बैंकों को मजबूत करना और विकास के लिए वित्तपोषण सुनिश्चित करना है।

जी20 पर्यावरण एवं जलवायु स्थिरता कार्य समूह की बैठक में पर्यावरण अपराध और भूमि क्षरण पर चर्चा

जोहानिसबर्ग, भाषा। दक्षिण अफ्रीका में आयोजित जी20 पर्यावरण एवं जलवायु स्थिरता कार्य समूह (ईसीएसडब्ल्यूजी) की बैठक में पर्यावरणीय अपराध और भूमि क्षरण जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। सोमवार को प्रतिष्ठित क्रूगर राष्ट्रीय उद्यान के सबसे बड़े विश्राम शिविर और प्रशासनिक मुख्यालय, स्कुकुजा में हुई यह बैठक, दक्षिण अफ्रीका द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा है, जो इस वर्ष जी20 की अध्यक्षता कर रहा है। नवंबर में होने वाले जी20 राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन से पहले ये कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वानिकी, मत्स्यपालन और पर्यावरण उप मंत्री नरेंद्र सिंह ने कहा, गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी, असमानता, पर्यावरणीय क्षरण और जलवायु परिवर्तन आज दुनिया के सामने मौजूद कुछ विकट और परस्पर जुड़े मुद्दे हैं। उन्होंने कहा, हम सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने और जलवायु कार्रवाई के लिए इस महत्वपूर्ण दशक के अंत की समय सीमा से पांच साल से भी कम दूर हैं। फिर भी हम इन लक्ष्यों और कार्य लक्ष्यों को प्राप्त करने से अभी भी बहुत दूर हैं।

नेपाल के मंत्री ने रिश्वतखोरी के आरोप के बाद दिया इस्तीफा

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल के संघीय कार्य और सामान्य प्रशासन मंत्री राजकुमार गुप्ता ने करोड़ों रुपए की रिश्वत मांगने संबंधी आरोप के बाद मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। सरकारी कर्मचारियों के तबादले और नियुक्तियों के संबंध में रिश्वत के लिए सौदेबाजी की गुप्ता की कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग मीडिया में सामने आई थी जिसके बाद उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया के माध्यम से अपने इस्तीफे की घोषणा की।रिश्वत की धन राशि से भरे दो बैगों की तस्वीरों के साथ प्राधिकार के दुरुपयोग के मामलों के जांच आयोग में शिकायत दर्ज कराई गई।

हालांकि, गुप्ता ने आरोपों से इनकार किया है और कहा है, कभी-कभी वह जहर भी असर कर जाता है जिसे आपने कभी छुआ तक नहीं-मैं ऐसे ही एक झूठे आरोप का शिकार हुआ हूं। गुप्ता ने कहा कि उन्होंने उचित जांच के जरिए सच्चाई उजागर करने के लिए अपना इस्तीफा दिया है। उन्होंने कहा, मैंने प्रधानमंत्री केपी ओली को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। ऑडियो रिकॉर्डिंग सामने आने के बाद सत्तारूढ़ और विपक्षी दोनों दलों के जनप्रतिधियों ने गुप्ता के इस्तीफे की मांग की थी।

सीरिया ने सांप्रदायिक हिंसा के बाद शांति समझौते की घोषणा की

बुसरा-अल हरीर (सीरिया), भाषा। सीरिया के रक्षा मंत्री ने मंगलवार को सरकारी बलों के स्वैदा प्रांत के एक प्रमुख शहर में प्रवेश करने के तुरंत बाद शांति समझौते की घोषणा की। सरकारी समाचार एजेंसी द्वारा जारी एक खबर में बताया गया कि एक दिन पहले सांप्रदायिक झड़प हुई थी जिसमें कई लोग मारे गए थे और अगले दिन शांति समझौते की घोषणा की गई है। खबर में बताया गया कि इजराइल की सेना ने इस क्षेत्र में हमला किया है। सीरिया के रक्षा मंत्री मुरहफ अबू कसरा ने एक बयान में कहा, शहर के प्रमुख व्यक्तियों के साथ समझौते के बाद हम केवल गैरकानूनी समूहों द्वारा किए गए किसी भी हमले से निपटेंगे। सीरिया के सैन्य बलों और बेदौइन जनजातियों की ड्रूज़ मिलिशिया के साथ हुई झड़पों के बाद यह शांति समझौता किया गया। सोमवार को शांति बहाल करने भेजे गए सरकारी सुरक्षा बलों का भी स्थानीय सशस्त्र समूहों से टकराव हुआ।वहीं, इजराइल ने सीरिया सरकार के सैन्य टैंक पर हमला किया और कहा कि वह ड्रूज़ धार्मिक अल्पसंख्यक की रक्षा के लिए कार्रवाई कर रहा है। इजराइल में ड्रूज़ को एक वफ़ादार अल्पसंख्यक माना जाता है और वे अक्सर सशस्त्र बलों में सेवा करते हैं। सरकारी समाचार एजेंसी एसएएनए ने मंगलवार के हमले के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी।

इजराइल — दक्षिणपंथी दल हमास के साथ युद्ध विराम वार्ता में रियायतों का विरोध करते हैं

प्रधानमंत्री नेतन्याहू की गठबंधन सरकार को झटका, ऑर्थोडॉक्स पार्टी गठबंधन से अलग हुआ

» तेल अवीव, भाषा।

इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की गठबंधन सरकार में प्रमुख सहयोगी दल रहे अति-रूढ़िवादी दल ने मंगलवार को कहा कि वह गठबंधन सरकार छोड़ रही है। अति-रूढ़िवादी दल की इस घोषणा को गाजा में युद्ध के निर्णायक समय में इजराइली नेता के शासन को अस्थिर करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। यूनाइटेड टोरा जूडिज्म नामक पार्टी के दो गुटों ने कहा कि वे एक कानून पर असहमति के कारण सरकार पर निशाना साध रहे हैं। यह कानून अपने सदस्यों के लिए व्यापक सैन्य मसौदा छूट को संहिताबद्ध करेगा। इन दलों के सदस्यों में से कई लोग सेना में भर्ती होने के बजाय यहूदी ग्रंथों का अध्ययन करते हैं।

इस मुद्दे ने यहूदी इजराइलियों को विभाजित कर रखा है, जिनमें से अधिकांश को सेना में भर्ती होने की आवश्यकता होती है। इजराइलियों में यह दरार तब से और गहरी होती जा रही है, जब से गाजा में युद्ध शुरू हुआ है और सैनिकों की मांग लगातार बढ़ रही है। इजराइल की राजनीति में लंबे समय से किंगमेकर की भूमिका निभाने वाली पार्टी के जाने से नेतन्याहू के शासन को तत्काल कोई खतरा नहीं है। लेकिन, 48 घंटों के भीतर जब यह कानून लागू हो जाएगा, तो इजराइली नेता के पास सरकार में मामूली बहुमत रह जाएगा। इसके बाद सरकार को दो अति-दक्षिणपंथी दलों की इच्छा पर अधिक निर्भर होना पड़ सकता है। ये दक्षिणपंथी दल हमास के साथ युद्ध विराम वार्ता में रियायतों का विरोध करते हैं और गाजा में युद्ध को समाप्त करने या यहां तक कि उसे रोकने के प्रयासों के विरोध में स्वयं सरकार छोड़ चुके हैं या छोड़ने की धमकी दे चुके हैं। यह राजनीतिक उथल-पुथल ऐसे समय में हो रही है, जब इजराइल और हमास गाजा में 21 महीने से चल रहे युद्ध के लिए संघर्ष विराम की शर्तों पर चर्चा कर रहे हैं। इजराइल के सबसे बड़े सहयोगी अमेरिका और मध्यस्थ मिस्र व कतर के भारी दबाव के बावजूद वार्ता में अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है।

इजराइल ने दक्षिणी सीरिया में टैंकों पर किया हमला

बुसरा-अल हरीर (सीरिया), भाषा। इज़राइली सेना ने कहा है कि उसने दक्षिणी सीरिया में सैन्य टैंकों को निशाना बनाकर हमला किया है। यह हमला उस क्षेत्र में किया गया जहां सीरिया के सैन्य बलों और बेदौइन जनजातियों की ड्रूज़ मिलिशिया के साथ झड़पें जारी हैं। स्वेदा प्रांत में स्थानीय मिलिशिया और जनजातियों के बीच हुई हिंसक झड़पों में अब तक दर्जनों लोग मारे जा चुके हैं। सोमवार को शांति बहाल करने भेजे गए सरकारी सुरक्षा बलों का भी स्थानीय सशस्त्र समूहों से टकराव हुआ। सीरियाई गृह मंत्रालय के अनुसार, इस हिंसा में अब तक 30 से अधिक लोग मारे गए हैं और लगभग 100 घायल हुए हैं, जबकि ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने 99 से अधिक मौतों की बात कही है। इज़राइली रक्षा मंत्री कैट्स ने कहा कि इज़राइली सेना ने सीरिया में सटीक हमला किया है ताकि सीरियाई शासन को स्पष्ट संदेश दिया जा सके कि वे ड्रूज़ों को नुकसान नहीं पहुंचाने देंगे।

जापान ने चीन की सैन्य गतिविधियों को सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती बताया

» तोक्यो, भाषा।

जापान ने अपने दक्षिण-पश्चिमी तटों से लेकर प्रशांत महासागर तक के विस्तृत क्षेत्रों में चीन की सैन्य गतिविधियों में तेजी लाने के मद्देनजर कड़ी चेतावनी देते हुए इस कदम को सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती बताया है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कैबिनेट को सौंपी गई वार्षिक सैन्य रिपोर्ट में कहा कि ताइवान के आसपास बढ़ता तनाव और उत्तर कोरिया से संभावित खतरों के अलावा रूस के साथ चीन का बढ़ता संयुक्त अभियान जापान के लिए भी गंभीर सुरक्षा चिंताएं पैदा कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, अंतरराष्ट्रीय समाज एक नए संकट के दौर से गुजर रहा है क्योंकि यह द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद की सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है। रिपोर्ट में वैश्विक शक्ति के संतुलन में आए महत्वपूर्ण बदलावों का हवाला देते हुए चीन-अमेरिका के बीच प्रतिद्वंद्विता के बढने़ पर चिंता जताई गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरक्षा खतरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में केंद्रित हैं, जहां जापान स्थित है और भविष्य में ये खतरे और भी तेज हो सकते हैं। जापान ने हाल के वर्षों में दक्षिण-पश्चिमी द्वीपों पर अपनी सैन्य तैनाती में तेजी लाई है और

लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलें तैनात करने की तैयारी कर रहा है। जापान, ताइवान में संघर्ष से चिंतित है क्योंकि चीन ताइवान को अपना क्षेत्र बताता है और जरूरत पडने़ पर उसे बलपूर्वक अपनी मुख्य भूमि में मिलाने की धमकी भी देता है। जापान ने पिछले महीने की शुरुआत में अपने देश में कम दूरी की, सतह से जहाज पर मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण किया था। यह रिपोर्ट ऐसे वक्त में आई है जब जापान ने चीन से कहा था कि वह अपने लड़ाकू विमानों के उसके टोही विमानों करीब उड़ाना बंद करे। जापान के अनुसार चीन इस तरह की हरकत बार-बार कर रहा हे और इससे टकराव बढ़ने की संभावना है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,